पेज : 2

पेज : 4

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, मंगलवार, 01 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 05 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 19 को करेंगे दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का शुभारंभ

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जमू कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जमू-श्रीनगर वंदे भारत ए सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जमू रेलवे स्टेशन पर मर मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मर मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जमू से चलना शुरू करेगी। कटरा-श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची। यानी 160 किलोमीटर का सफर 3 घंटे में पूरा किया।

आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय स्थित मुख्य सचिव कार्यालय में पदभार ग्रहण किया

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । नवनियुक्त मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय स्थित मुख्य सचिव कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन को पदभार सौंपा। इस अवसर पर नवनियुक्त मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि सरकार की नीतियों का राज्य के विकास में सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करना प्रशासन की प्राथमिकता है। आजीविका, रोजगार, कौशल विकास व रिवर्स माइग्रेशन भी प्रमुख प्राथमिकताओं में है।उन्होंने कहा कि आजी-विका के नए-नए अवसरों पर काम करना तथा इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना राज्य की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है शहरीकरण तथा राज्य का स्वास्थ्य क्षेत्र भी एक बड़ी चुनौती है। हमें शहरों को बेहतर बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर कार्य करना होगा। इसके साथ ही जल संरक्षण भी एक बड़ा मुद्दा है, जल संकट का सामना पूरी दुनिया कर रही है इन मुख्य मुद्दों पर आम नागरिक के हित में धरातल पर प्रभावी कार्य करने की जरूरत है।राज्य की वित्तीय स्थिति पर मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने कहा कि हमें नए संसाधनों की खोज तथा वर्तमान संसाधनों को बढ़ाने पर निरंतर कार्य करना होगा।इस अवसर पर सचिवालय के सभी अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित थे।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल शुरू

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल शुरू हो चुका है। ये ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रूट पर दौड़ेगी। हाइड्रोजन ट्रेन दूसरी ट्रेनों से काफी अलग है। सबसे खास बात है कि ये पर्यावरण के अनुकूल ट्रेन है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में इसे तैयार किया गया है। 89 किलोमीटर के इस रूट पर ट्रेन का ट्रायल शुरू हुआ। यह ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है। 1200 हॉर्सपावर की क्षमता वाली यह ट्रेन एक बार में 2638 यात्रियों को ले जा सकेगी। रेल मंत्रालय ने हाइड्रोजन ईंधन सेल-आधारित ट्रेनों के निर्माण के लिए 2800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जिसके तहत 35 ऐसी ट्रेनें तैयार की जा रही हैं। 8 कोच वाली यह ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल होगी। हरित प्रौद्योगिकी पर आधारित यह पहल कार्बन उत्सर्जन को कम करने और शून्य कार्बन लक्ष्य की ओर बढ़ने में अहम भूमिका निभाएगी। ट्रायल के दौरान ट्रेन की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन किया जाएगा।

बच्चे को जन्म देने के अधिकार पर अदालत का फैसला

नेपाल में बढ़ी राजनीतिक उथल-पुथल

मुंबई/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । एक 32 वर्षीय गर्भवती की याचिका पर बम्बई हाईकोर्ट ने अहम आदेश पारित किया है। इस फैसले में कोर्ट ने बच्चे को जन्म देने के अधिकार पर अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति रेवती मोहित डेरे और जस्टिस नीला गोखले की खंडपीठ ने महिला को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में गर्भपात की अनुमति दी है। हालांकि, अस्पताल को एक हलफनामा दाखिल कर अदालत को बताना होगा कि हॉस्पिटल में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के तहत सभी जरूरतें पूरी करने का इंतजाम है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में महिलाओं को प्रजनन की स्वतंत्रता, शारीरिक स्वायाता और पसंद के अधिकार पर विशेष जोर दिया है। दो

जजों की खंडपीठ के समक्ष जिस याचिका पर सुनवाई हुई, उसमें महिला ने भ्रूण की विसंगतियों के कारण गर्भपात की अनुमति मांगी थी। तथ्यों पर विचार के बाद कोर्ट ने 28 मार्च को पारित आदेश में कहा, याचिकाकर्ता के प्रजनन स्वतंत्रता के अधिकार, शरीर पर उसकी स्वायाता और उसकी पसंद के अधिकार को ध्यान में रखते हुए गर्भपात की अनुमति दी जा रही है। कोर्ट ने याचिकारक्ता की शारीरिक स्थिति को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला चिकित्सकीय रूप से गर्भ गिरा सकती है। 24 ह ते से अधिक का गर्भ गिराने पर कानूनी प्रावधान महिला ने अपनी याचिका में यह सुनिश्चित करने की मांग की थी कि गर्भपात की प्रक्रिया में भ्रूण की हृदय गति को कम किया जाए, जिससे बच्चा जीवित पैदा न हो। इस पर कोर्ट ने सरकारी अस्पताल- जेजे हॉस्पिटल के मेडिकल बोर्ड को गर्भपात के सबसे उपयुक्त तरीके पर राय देने का निर्देश भी दिया। डाक्टर ने महिला को बताया कि गर्भ में पल रहा भ्रूण कंकाल संबंधी डिसप्लेसिया पीड़ित है। ऐसी स्थिति में गंभीर बीमारियों का खतरा होता है। महिला की सेहत और मेडिकल रिकॉर्ड्स के आधार पर जेजे अस्पताल के एक मेडिकल बोर्ड ने भ्रूण की स्थिति का आकलन करने के बाद गर्भपात के लिए हरी झंडी दे दी थी।

आईएफएस अधिकारी निधि तिवारी पीएम मोदी की निजी सचिव नियुक्त

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की 2014 बैच की अधिकारी निधि तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव बनाया गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने 29 मार्च को आदेश जारी किया। इसके पहले, तिवारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव के पद पर कार्यरत थीं। निधि नवंबर 2022 से प्रधानमंत्री कार्यालय में डिप्टी सेक्रेटरी के रूप में काम कर रही थीं, और इससे पहले विदेश मंत्रालय में डिसआमार्मेंट और इंटरनेशनल सि योरिटी अफेयर्स डिवीजन में सचिव के रूप में अपनी सेवा दे चुकी हैं। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को तुरंत मंजूरी दी है। निधि ने 2014 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। पीएमओ में उप सचिव के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है, और अब उनके समर्पण और अनुभव को देकर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव बनाया गया है।

उत्तराखंड में कई जगहों के बदल गए नाम, औरंगजेबपुर अब शिवाजी नगर!

- सीएम ने अपने एक्स हैंडल से नाम परिवर्तन की लिस्ट शेयर किया

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । धामी सरकार ने नवरात्रों में बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के चार जिलों हरिद्वार, देहरादून, उधम सिंह नगर और नैनीताल में कई स्थानों के नाम बदले गए हैं। शासन की ओर से इसके आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। जिसके तहत हरिद्वार जिले में 10 गांवों और स्थानों के नामों में परिवर्तन किया गया है। जबकि देहरादून जिले के चार जगहों के नाम बदले गए हैं। नैनीताल जिले के दो स्थानों के नाम में बदलाव किया गया है। सीएम धामी ने कहां-भारतीय संस्कृति के अनुरूप रखे गए नाम-विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन जन भावना और भारतीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप किया जा रहा है। जिससे लोग भारतीय संस्कृति और इसके संरक्षण में योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा ले सके। जो नाम बदले गए हैं वह देश के बड़े महापुरुषों के नाम पर हैं।

भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपति और अधिकार छीनने जा रही है : किरेन रिजिजू

वक्फ बिल इसी सत्र में लाने की तैयारी

2 अप्रैल को लोकसभा में हो सकता है पेश

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। इस चरण की कार्यवाही के भी चार दिन बाकी हैं और अब सरकार व फ बिल लाने की तैयारी में है। वक्फ बिल 2 अप्रैल को संसद में आ सकता है। सूत्रों की मानें तो व फ बिल 2 अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जा सकता है। सरकार अगर 2 अप्रैल को व फ बिल संसद में लाती है तो उसे दोनों सदनों से पारित कराने के लिए इस सत्र में केवल दो ही दिन का समय मिलेगा। व फ संशोधन विधेयक संसद के पिछले सत्र में लोकसभा में पेश किया गया था। विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे के बीच पेश हुए विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया था। व फ बिल को लेकर भाजपा के सांसद जगदंबिका पाल की

अगुवाई में जेपीसी गठित की गई थी। जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली जेपीसी ने बजट सत्र के दौरान ही अपनी रिपोर्ट लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों की ओर से दिए गए सुझाव शामिल किए गए हैं। विपक्ष के कई सदस्यों ने डिसेंट नोट दिए हैं। एनडीए के दो घटक दलों जेडीयू और टीडीपी के रुख की भी चर्चा हो रही है लेकिन माना जा रहा है कि इस बिल को लेकर दोनों दलों की चिंताओं का निवारण हो गया है। जेपीसी में भी दोनों दलों के सदस्य थे ही, जेपीसी की रिपोर्ट के आधार पर कैबिनेट की जिस बैठक में संशोधित रिपोर्ट के आधार तैयार नए बिल को मंजूरी दी गई थी, उसमें भी एनडीए के दोनों घटक दलों के कोटे के मंत्री मौजूद थे। राज्यसभा में एनडीए व फ बिल पारित कराने के लिए जरूरी बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे है। ऐसे में सरकार को कुछ छोटे दलों के समर्थन की उमीद है। राज्यसभा में बहुमत नहीं होने के बावजूद सरकार ने पहले भी कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित कराए हैं और इस बार भी नजर लोर मैनेजमेंट पर होगी।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के 18 वर्ष बाद प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण का रास्ता साफ

- *अमेरिकी और भारतीय कंपनियां अब संयुक्त रूप से छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर या एसएमआर का निर्माण करेंगी और इसके सभी पार्ट्स का डिजाइन भी करेंगी।*

नई दिल्ली(एजेंसी)। 18 वर्ष पहले हुए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के तहत अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने एक अमेरिकी कंपनी को भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को संयुक्त रूप से डिजाइन और निर्माण करने की अनुमति देते हुए अंतिम मंजूरी दे दी है। भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते की समग्र रूपरेखा पर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश ने 2007 में हस्ताक्षर किए थे, लेकिन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए अंततः हरी झंडी मिलने में लगभग 18 साल की बातचीत, विस्तृत चर्चा, कानूनी और नियामक मंजूरी, प्रौद्योगिकी परमिट, देयता खंड और लूप्रिंट को ठीक करने में लग गए। अब तक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के तहत अमेरिकी कंपनियां भारत को परमाणु रिए टर और उपकरण निर्यात कर सकती थीं, लेकिन उन्हें भारत में परमाणु उपकरणों के किसी भी डिजाइन कार्य या निर्माण से मना किया गया था। नई दिल्ली इस बात पर अड़ी रही कि डिजाइन, निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से लेकर हर काम भारत में ही होना चाहिए। एक के बाद एक सरकारें इस पर अड़ी रहीं। इसे भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। यह मंजूरी 26 मार्च, 2025 को दी गई। हालांकि, अमेरिका ने एक शर्त रखी है कि संयुक्त रूप से डिजाइन और निर्मित इन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को संयुक्त राज्य सरकार की पूर्व लिखित सहमति के बिना भारत या संयुक्त राज्य के अलावा किसी अन्य

देश में किसी अन्य इकाई या अंतिम उपयोगकर्ता को फिर से हस्तांतरित नहीं किया जाएगा। भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को संयुक्त रूप से डिजाइन और निर्माण करने के लिए वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच हुए इस समझौते के साथ-साथ इसकी प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को एक बड़ी कूटनीतिक उपलधि के रूप में देखा जा रहा है।

मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अफस्पा 6 माह के लिए बढ़ा

नई दिल्ली/ भव्य खबर /रमण श्रीवास्तव। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) को छह माह के लिए बढ़ाने की घोषणा की है, जो 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा। मणिपुर में अफस्पा को 13 निर्दिष्ट पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर पूरे राज्य में लागू किया गया है। यह निर्णय राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया है। वहीं नागालैंड में यह अधिनियम आठ जिलों में लागू रहेगा। इसमें दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिर, नोकलाक, फेक और पेरेन शामिल है। इसके अलावा, पांच अन्य जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्र अगले छह महीनों तक अफस्पा लागू रहेगा। इन क्षेत्रों को अधिनियम की धारा 3 के तहत अशांत घोषित किया गया है, जिससे सुरक्षा बलों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अधिकार प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश में, तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों में अफस्पा को छह महीने के लिए बढ़ाया गया है। इसके अलावा, यह अधिनियम नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौखाम पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में लागू किया जाएगा। विस्तार का उद्देश्य इन क्षेत्रों में चल रही सुरक्षा चिंताओं को दूर करना है। 1958 में लागू किया गया सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम भारतीय सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष शक्तियां देता है। इन शक्तियों में सभाओं पर रोक लगाने, बल प्रयोग करने और बिना वारंट के परिसर में प्रवेश करने और तलाशी लेने का अधिकार शामिल है।

कौन सा धर्म गंदा है? ममता बनर्जी के बयान पर भड़की बीजेपी

सुवेंदु अधिकारी ने सुनाई खरी-खरी

कोलकाता/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पश्चिम बंगाल भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गंदा धर्म वाले बयान पर तीखा हमला किया और उन पर ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। हाल ही में लंदन की अपनी यात्रा के लिए सुर्खियों में रहीं ममता बनर्जी ने कोलकाता में ईद की नमाज के दौरान यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि वह गंदा धर्म का पालन नहीं करती हैं।

उन्होंने लिखा, 'कौन सा धर्म गंदा है स-ुश्री ममता बनर्जी? रेड रोड पर मुस्लिम समुदाय को अपनी लगभग समझ से परे उर्दू बोली से खुश करते हुए आपने यह बयान दिया कि आप 'गंदे धर्म या 'गंदे धर्मका पालन नहीं करती हैं। आप विशेष रूप से किस धर्म का उल्लेख कर रही थीं? सनातन हिंदू धर्म? रेड रोड पर मुस्लिम समुदाय को अपनी लगभग समझ से परे उर्दू बोली से खुश करते हुए आपने बयान दिया कि आप 'गंदा धर्म या 'गंदे धर्म का पालन नहीं करते हैं। आप किस धर्म की बात कर रहे थे? सनातन हिंदू धर्म?

ईद-उल-फितर के मौके पर रेड रोड पर आपने किस तरह का भड़काऊ भाषण दिया? आपने ईद श द को दोहराने से ज्यादा 'दंगा और दंगे जैसे श द बोले। बनर्जी ने सोमवार को लोगों से सांप्रदायिक दंगों को बढ़ावा देने वाले उकसावे में न आने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार निवासियों के साथ खड़ी रहेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी राज्य में तनाव न फैला सके।

उन्होंने कहा, 'दंगों को बढ़ावा देने के लिए उकसावे किए जा रहे हैं, लेकिन कृपया इन जाल में न फंसें। पश्चिम बंगाल सरकार अल्पसं यकों के साथ खड़ी है। कोई भी राज्य में तनाव नहीं भड़का सकता। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी की आलोचना में अधिकारी का समर्थन किया और उन पर हिंदू धर्म का मजाक उड़ाने और आस्था का अनादर करने का आरोप लगाया।

उन्होंने एक ए स पोस्ट में लिखा कि ' या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए सनातन धर्म 'गंडा धर्म है? उनके कार्यकाल में कई हिंदू विरोधी दंगों के बावजूद, उनमें हिंदुओं का मजाक उड़ाने और उनकी आस्था का अपमान करने की हिमत है। उन्हें शर्म आनी चाहिए।

- *42,944 नए निजी स्कूल खुल*

केंद्र पर बरसी सोनिया गांधी, अब तक देश में 89, 441 सरकारी स्कूल बंद हुए

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने केंद्र पर शिक्षा प्रणाली को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऐसा एजेंडा चला रही है, जो नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जाएगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा साझा किए गए लेख में उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली वर्तमान में तीन बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही हैं केंद्रीकरण, कारोबारी करण और सांप्रदायिकता। सोनिया गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार राज्यों को मजबूर कर रही है कि वे पीएम-श्री योजना को लागू करें और समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर उन्हें दबाव में ला रही है। सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भी आलोचना कर कहा कि यह सिर्फ दिखावटी है। उन्होंने लिखा कि यह नीति उस सरकार की हकीकत को छुपाने के लिए लाई गई है, जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। सोनिया गांधी ने कहा कि केंद्र का मु य एजेंडा केवल साा का केंद्रीकरण, निजी निवेश को बढ़ावा देना और शिक्षा को सांप्रदायिक बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्यों से किसी भी प्रकार का परामर्श नहीं किया और उनकी राय को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड, जिसमें राज्यों के शिक्षा मंत्री भी शामिल होते हैं, 2019 के बाद से अब तक बैठक के लिए नहीं बुलाया गया है। सोनिया गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार ने सरकारी स्कूलों को कमजोर करने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि 2014 से अब तक देशभर में 89,441 सरकारी स्कूल बंद हुए हैं, जबकि 42,944 नए निजी स्कूल खुले हैं। उन्होंने कहा कि इससे गरीबों को महंगे और कम नियमन वाले निजी स्कूलों के हवाले किया गया है, जिससे वे शिक्षा से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा प्रणाली में बदलावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की अनुदान प्रणाली को समाप्त कर दिया और उसकी जगह उच्च शिक्षा विापोषण एजेंसी (हेफा) को लागू किया। उन्होंने कहा कि संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों का 78 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक भुगतान छात्रों की बढ़ी हुई फीस से किया जा रहा है, जिससे उच्च शिक्षा महंगी होती जा रही है।

सोनिया गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की हत्या और मुगल भारत से जुड़े कई हिस्से पाठ्यक्रम से हटाए गए हैं। इतना ही नहीं भारतीय संविधान की प्रस्तावना को भी हटाने की कोशिश की गई थी, जिसे बाद में जनता के दबाव के कारण फिर से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती में भी विचारधारा को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) में शीर्ष पदों पर उन लोगों को नियुक्त किया जा रहा है, जो सरकार के करीबी हैं, भले ही उनकी शैक्षणिक योग्यता कमजोर हो।

केवल महिलाएं ही नहीं पुरुष भी हो रहे हैं घरेलू हिंसा के शिकार !

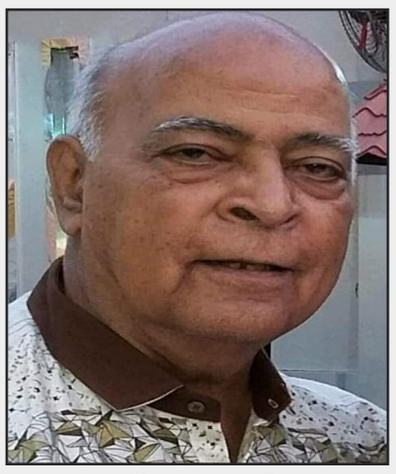

अशोक भाटिया

घरेलू हिंसा के पीड़ितों में महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी हैं लेकिन उनकी आवाज इतनी धीमी है कि वह न तो समाज को और न ही कानून को सुनाई पड़ती है।

घरेलू हिंसा या फिर महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को लेकर न सिर्फ अक्सर बातें होती हैं बल्कि कठोर कानून भी बने हैं, बावजूद इसके इनमें कोई कमी नहीं दिखती। लेकिन इस घरेलू हिंसा का एक पक्ष यह भी है कि घरेलू हिंसा के पीड़ितों में महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी हैं लेकिन उनकी आवाज इतनी धीमी है कि वह न तो समाज को और न ही कानून को सुनाई पड़ती है। पारिवारिक मसलों को सुलझाने के मकसद से चलाए जा रहे तमाम परामर्श केंद्रों की मानें तो घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों में करीब चालीस फीसद शिकायतें पुरुषों से संबंधित होती हैं यानी इनमें पुरुष घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं और उत्पीड़न करने वाली महिलाएं होती हैं। हाल ही में पुरुषों के साथ हो रही घरेलु हिंसा की घटना अखबारों की सुर्खियाँ बनी हुई है । यह घटना उत्तर प्रदेश के मेरठ की है । यहां पर मुस्कान नाम की महिला ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी। इसके बाद शव के कई टुकड़े करके नीले रंग के ड्रम में रखकर सीमेंट डाल दिया। पति का मर्डर करने के बाद मुस्कान ने लोगों को बताया कि उसका पति घूमने गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद मुस्कान अपने प्रेमी साहिल के साथ हिमाचल प्रदेश के शिमला घूमने चले गई। यही नहीं मुस्कान अपने पति का फोन भी लेकर साथ गई और उसने उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर हिमाचल के वीडियो भी डाले, ताकि लोगों को लगे कि सौरभ हिमाचल घूमने गया है। इस घटना के बाद तो ड्रम को लेकर महिलाओं ने ड्रम को अपनी धौस देने का हथियार बना लिया है लेन लग गई है । कई जगह से समाचार आ रहे की पत्नियाँ अपने पति को इसी प्रकार मरने की धमकियां दे रही है । मेरठ से ही एक और ऐसा मामला सामने आया है जहां पति-पत्नी के झगड़े में पत्नी ने पति को ऐसी ही भयानक हत्या की धमकी दे डाली। शख्स की पत्नी ने उससे कहा कि अगर हरकतों से बाज नहीं आया तो वह उसके टुकड़े कर ड्रम में भर देगी। आरोप है कि पत्नी ने सोते समय पति के सर पर ईंट मारकर उसे घायल भी कर दिया था। घायल हालत में पति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो मामला सामने आया है। गोंडा में पत्नी अपने पति को मेरठ हत्याकांड जैसी धमकी दे रही है। पति ने अवैध संबंधों का विरोध किया तो पत्नी ने सरेआम पीटा। धमकी दी- ज्यादा चूं-चपाट की तो गोंडा वाले सौरभ की तरह काटकर ड्रम में भर दूंगी। इतना ही नहीं, निमार्णाधीन मकान में रखे नीले रंग का ड्रम और सीमेंट की बोरियों को दिखाकर डराया भी।प्रताड़ित पति का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में पत्नी अपने पति को घर के बाहर बीच सड़क वाइपर से पीटते हुए दिख रही है। मोहल्ले वाले पत्नी की करतूत को देख रहे हैं। इससे पहले भी दो बार पीड़ित पति की पिटाई हो चुकी है। कंकरखेड़ा में दंपती के बीच घरेलू बातों को लेकर हुए झगड़े में पति को धमकी दी कि अगर, हरकतों से बाज नहीं आया तो काटकर ड्रम में भर दूंगी। घायल पति थाने पहुंचा और पुलिस को मामला बताया। पुलिस ने घायल का मेडिकल उपचार कराया । कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में दून हाईवे स्थित एक कॉलोनी निवासी युवक ने बताया कि वह मजदूरी करता है। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं। आरोप लगाया कि पत्नी आए दिन उसके साथ झगड़ा करती है। कई बार घर से खींचकर गली में झाड़ू तक से पीटा है। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव कराया था। बताया जाता है मेरठ में ड्रम कांड के बाद उन पतियों में भी खौफ का माहौल है, जिनकी पत्नियां शादी के बाद भी अपने बॉयफ्रेंड के साथ रिलेशन में हैं। ग्वालियर में ऐसे ही एक पति को अपनी हत्या का डर सता रहा है। इस युवक की पत्नी की चार बॉयफ्रेंड हैं। वह अपने पति को छोड़कर एक बॉयफ्रेंड के साथ रह रही है। ये बॉयफ्रेंड पति को हत्या की धमकी दे रहा है। जब पुलिस ने युवक की बात को गंभीरता से नहीं सुना तो वह फूलबाग चौराहे पर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टर लेकर धरने पर बैठ गया।पीड़ित पति ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मदद की गुहार लगाई है। उसने आशंका जाहिर की है कि कहीं उसकी पत्नी पूजा भी मेरठ कांड की तरह उसे कटवाकर ड्रम में सीमेंट से न दबवा दे।ऐसे कई उदहारण है जिसमें पत्नियां पतियों के साथ मारपीट करती रहती है । वैसे भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। ह्यसेव इंडियन फैमिली फाउंडेशनह्य और ह्यमाई नेशनह्य नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी गया है पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लखनऊ में पीड़ित पुरुषों की समस्याओं पर काम करने वाली एक संस्था के संचालक देवेश कुमार बताते हैं कि लॉकडाउन के दौरान ऐसी समस्याओं के बारे में और ज्यादा जानकारी मिली थी क्योंकि इस दौरान ज्यादातर पति-पत्नी साथ रहे हैं। देवेश कुमार बताते हैं, "लोग कई तरह की समस्याएं लेकर आते थे । मसलन, एक युवक इस बात से परेशान था कि उसकी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध थे। मना करने के बावजूद संबंध जारी रहे। लॉकडाउन के दौरान ही उसे ये बातें पता चलीं। दोनों में विवाद हुआ और लड़की के घर वालों ने युवक को यह कहते हुए धमकाया कि यदि उसने कुछ करने की कोशिश की तो दहेज प्रताड़ना के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया जाएगा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दो गुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है, जिसकी शिकायत वो किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि पुरुषों के खिलाफ हिंसा की किसी को जानकारी नहीं है या फिर इसके खिलाफ आवाज नहीं उठती है लेकिन यह आवाज एक तो उठती ही बहुत धीमी है और उसके बाद खामोश भी बहुत जल्दी हो जाती है। कुछ समय पहले यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, ऐसे पुरुषों को यह संस्था कानूनी मदद भी दिलाती थी। संस्था के प्रमुख अमित कुमार कहते हैं कि इस ऐप के जरिए 25 राज्यों के 50 शहरों में 50 एनजीओ से कानूनी मदद के लिए संपर्क किया जा सकता है। उनका दावा है कि हेल्पलाइन जारी होने के 50 दिन के भीतर ही उन्हें 16,000 से ज्यादा फोन कॉल्स मिली थीं। अमित बताते हैं कि अब तक कई लोगों को कानूनी मदद दिलाई जा चुकी है और कई परिवारों की काउंसिलिंग कराकर उनकी समस्या को दूर किया गया है। केरल में पुलिस के लिए नियमित संवेदीकरण कार्यशालाओं के परिणामस्वरूप लिंग-आधारित शिकायतों का अधिक संतुलित संचालन हुआ है। संगठनों को समावेशी कार्यस्थल नीतियाँ अपनाने के लिए बाध्य करें जो पितृत्व अवकाश, पुरुषों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसे मुद्दों को सम्बोधित करती हैं। स्वीडन की पैतृक अवकाश नीति पिताओं को समान अवकाश प्रदान करती है, जो घर पर साझा पालन-पोषण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है। लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए पुरुषों के अधिकारों को समान ईमानदारी से सम्बोधित करने की आवश्यकता है। लैंगिक-तटस्थ कानून, मानसिक स्वास्थ्य सहायता में वृद्धि और सामाजिक रूढ़ियों को खत्म करने के लिए जागरूकता अभियान महत्त्वपूर्ण कदम हैं। जैसा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, ह्किसी भी जगह अन्याय हर जगह न्याय के लिए खतरा है।ह्व एक सही मायने में समावेशी प्रणाली सभी लिंगों को ऊपर उठाती है, समाज में निष्पक्षता और सद्भाव को बढ़ावा देती है।

संपादकीय

साजिश का हो पदार्फाश

अमृता आर. पंडित

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड़ के खिलाफ एफआरआई दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि आंतरिक जांच चल रही है, निष्कर्ष आने के बाद प्रधान न्यायाधीश के पास कई विकल्प होंगे। उन्होंने कहा, जांच में कुछ गड़बड़.होने के संकेत मिलते हैं तो प्रधान न्यायाधीश परीक्षण के बाद प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दे सकते हैं या मामले को संसद भेज सकते हैं। अदालत ने कहा कि जांच करना अदालत का काम नहीं है, यह पुलिस द्वारा की जानी चाहिए। उधर सरकार ने वकीलों के भारी प्रतिरोध के बावजूद जज वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी कर दी। होली की रात यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में लगी आग के दौरान कथित रूप से भारी मात्रा में नगदी जलने की खबरें थीं। शीर्ष अदालत के अनुसार कार्यभार संभालने के बाद उन्हें फिलहाल कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह की भी एक सवाल पर प्रतिक्रिया यही थी कि सीजेआई की अनुमति के बगैर एफआईआर नहीं की जा सकती। वास्तव में सीजेआई ने इसका संज्ञान लिया और जजों की समिति को जांच का काम पहले ही सौंप दिया है। देश में दी गई व्यवस्था के अनुरूप कार्रवाई चालू है तो किसी को भी बिलाझ्वजह उतावली में दिखाने की जरूरत नहीं। हालांकि सारे विवाद के दरम्यान पंजाब-हरियाणा की पूर्व जज जस्टिस निर्मल यादव को 2008 में पंद्रह लाख रोपये की रिश्वत के मामले में बरी कर दिया गया। स्पेशल सीबीआई अदालत ने फैसले में कहा कि पर्याप्त सबूत न मिलने व गवाहों के बयानों से पलट जाने से मामला कमजोर हो गया। सवाल जज के आवास से पैसे मिलने का हो या दरवाजे से, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती क्योंकि न्याय की कुर्सी पर बैठने वाले सम्मानित शख्स को संदेहों से परे नजर आना जरूरी है। किन्हीं परिस्थितियों या साजिशों के कारण विवाद हुआ भी तो इसकी तह तक जाना लाजिमी है। यह न्याय व्यवस्था पर जानबूझकर खरोंच मारने की खौफनाक साजिश भी हो सकती है जिसका न सिर्फ पदार्फाश आवश्यक है, बल्कि ऐसी छिछालेदर करने का प्रयास करने वालों को कड़ी सजा देकर नजीर पेश करना जरूरी है ताकि भविष्य में कोई इस तरह का खिलवाड़.करने की कोशिश करने से भी सिहर जाए।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़ पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़ेबड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईड़ी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा। वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है। चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने बनाया धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वही एसो आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी करके अरबों रूपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लूटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

"ध्यान भटकाने की राजनीतिः असल मुद्दों से किनारा"

राजेश श्रीवास्तव

जब भी किसी सरकार पर घोटाले, कानून-व्यवस्था की विफलता, बेरोजगारी, महंगाई या प्रशासनिक भ्रष्टाचार जैसे बड़े सवाल उठते हैं, तब जनता का ध्यान भटकाने के लिए भावनात्मक और विभाजनकारी मुद्दे उछाले जाते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है, बल्कि एक पुराना राजनीतिक हथकंडा है, जिसे समय-समय पर अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जाता रहा है। भारत ही नहीं, दुनिया के कई अन्य देशों में भी इस रणनीति को अपनाया जाता है।हाल ही में औरंगजेब का मुद्दा उठाया गया, जिससे सरकार की नीतियों पर चल रही बहस इतिहास की तरफ मुड़ गई। ठीक इसी तरह 2016 में नोटबंदी के आर्थिक प्रभावों पर तीखी बहस हो रही थी, तभी पाकिस्तान और उरी हमले को प्रमुख चर्चा का विषय बना दिया गया। 2020 में प्रवासी मजदूरों के संकट के दौरान सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमयी मौत और उससे जुड़ी ह्यनेपोटिज्मह्न की बहस ने असली मुद्दों को पीछे छोड़ दिया। 2023 में मणिपुर हिंसा पर सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करने के बजाय धार्मिक और सांस्कृतिक बहसों को तूल दिया गया। 2024 के चुनावों से पहले एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण से जुड़े विवादों को प्रमुखता से प्रचारित किया गया, जिससे चुनावी नैरेटिव को मोड़ा जा सके। विपक्ष को जवाब देना था, लेकिन वह भी इसी जाल में फंस गया और राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दे दिया। इससे बहस सरकार की नीतियों पर नहीं, बल्कि इतिहास पर केंद्रित हो गई। न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया ने इस विवाद को और हवा दे दी, जिससे जनता इन्हीं बहसों में उलझी रही और महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे असली मुद्दे पीछे छूट गए। जनता को लगने लगा कि कोई ह्यमहत्वपूर्णह्न बहस चल रही है, लेकिन असल में इसका उनके जीवन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ा। सरकार का असली मकसद पूरा हो गया—ध्यान भटक गया और जवाबदेही खत्म हो गई। देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और शिक्षा व्यवस्था की गिरती स्थिति जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन टीवी चैनलों, अखबारों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कुछ और ही नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। बहसों का केंद्र अब असल समस्याएँ न होकर ऐतिहासिक घटनाओं की कब्रें खोदना, धार्मिक-सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और विवादास्पद बयानबाजी बन गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक सोची-समझी रणनीति है, जिससे जनता को भटकाया जा सके और सरकार की नीतिगत विफलताओं पर चर्चा दबाई जा सके। मीडिया में बड़ी बहसों के दौरान कभी मंदिर-मस्जिद का मुद्दा छिड़ जाता है, कभी किसी ऐतिहासिक शख्सियत को लेकर अनावश्यक विवाद खड़ा किया जाता है, तो कभी फिल्मों, गानों और किताबों के नाम पर हंगामा मचाया जाता है। कभी पाठ्यपुस्तकों में बदलाव को लेकर विवाद होता है, तो कभी किसी नेता के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है। लेकिन इन सबके बीच सवाल यह उठता है—क्या इससे देश के युवाओं को रोजगार मिलेगा? क्या इससे किसानों की आत्महत्या रुकेगी? क्या इससे स्वास्थ्य सुविधाएँ सुधरेंगी? मीडिया विश्लेषकों का कहना है कि विवादों का यह खेल किसी संयोग का परिणाम नहीं है, बल्कि यह सरकारों की एक चालाकी भरी रणनीति है। जब भी महंगाई, बेरोजगारी या भ्रष्टाचार पर सरकार से जवाब माँगा जाता है, तभी किसी नए विवाद को जन्म देकर जनता का ध्यान असल मुद्दों से हटा दिया जाता है। सोशल मीडिया पर संगठित अभियान चलाकर भीड़ को इन विवादों में उलझा दिया जाता है, जिससे लोग अपने अधिकारों और सरकार की जवाबदेही से जुड़े सवाल भूल जाएँ। 2014 के बाद से ऐसे संगठित ट्रेंड्स और मीडिया मैनेजमेंट को बारीकी से देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब भी सरकार पर कोई गंभीर आरोप लगता है, तो सोशल मीडिया पर अचानक सांप्रदायिक या ऐतिहासिक विवादों से जुड़े ट्रेंड चलने लगते हैं। उदाहरण के लिए, 2022 में जब सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर दबाव बढ़ा, तब हिजाब विवाद और लव जिहाद जैसे मुद्दों को मीडिया में प्रमुखता दी गई। 2023 में महिला पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान अचानक धार्मिक हिंसा और फिल्मी विवादों को हवा दी गई। समाजशास्त्रियों का मानना है कि इस तरह की रणनीतियों को तोड़ने का एकमात्र तरीका जनता की जागरूकता है। अगर लोग मीडिया द्वारा परोसे जा रहे एजेंडे को पहचानेंगे और असल मुद्दों पर सवाल उठाएँगे, तो सरकारें जवाब देने के लिए मजबूर होंगी। लोकतंत्र की ताकत जनता की चेतना में ही है। इसके लिए जरूरी है कि जब भी कोई नया विवाद उछले, तो सबसे पहले यह देखा जाए कि उस समय सरकार के खिलाफ कौन-से असली मुद्दे खड़े हो रहे हैं। दूसरा, मीडिया में चल रही बहसों का विश्लेषण किया जाए कि वे समाज को जानकारी दे रही हैं या केवल भड़का रही हैं। तीसरा, सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित किए जा रहे एजेंडे को समझा जाए और उसमें बहने के बजाय तथ्य आधारित चर्चा की जाए। जनता को यह समझने की जरूरत है कि मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही हर बहस जरूरी नहीं कि समाज के वास्तविक मुद्दों से संबंधित हो। कई बार यह बहसें सुनियोजित रूप से शुरू की जाती हैं ताकि असली समस्याओं से ध्यान हटाया जा सके। अगर हम अब भी नहीं चेते, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हम अपने अधिकार, अपने सपने और अपनी आवाज खो देंगे। सवाल सिर्फ मीडिया का नहीं, सवाल हमारे भविष्य का है—क्या हम इसे यूँ ही भटकने देंगे?

समाज के हर जागरूक नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह इस छलावे को पहचाने और खुद को इन भटकाव भरी बहसों में उलझने से बचाए।

हमें यह समझना होगा कि सरकारों की जवाबदेही तय करना, नीतिगत निर्णयों पर सवाल उठाना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। इतिहास की बहसों में उलझने के बजाय हमें अपने वर्तमान और भविष्य की ओर देखना होगा। यह समय है कि हम सटीक सूचनाएँ प्राप्त करें, तथ्यों की जाँच करें और अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग रहें। अगर हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के प्रयासों पर रिपोर्ट पेश करेंगी दिल्ली की सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक अप्रैल को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक नई रिपोर्ट पेश करेंगी। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वाहन वायु प्रदूषण की रोकथाम और शमन के प्रयासों और उस पर हुए खर्च का लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी। कैग की यह रिपोर्ट वर्ष 2022 की दूसरी रिपोर्ट है, जो 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष से संबंधित है। इसे मुख्यमंत्री विधानसभा के पटल पर रखेंगी। रिपोर्ट हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होगी। ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इससे पहले तीन कैग रिपोर्ट सदन में पेश कर चुकी हैं। सभी रिपोर्ट दिल्ली सरकार की पूर्व नीतियों और योजनाओं से संबंधित थीं। इनमें दिल्ली की शराब नीति, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के खर्च और स्वास्थ्य क्षेत्र पर हुए खर्च से जुड़ी रिपोर्ट शामिल थीं। इस बार की रिपोर्ट वायु प्रदूषण नियंत्रण पर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और उनके वित्तीय पहलुओं की समीक्षा करेगी। विधानसभा में पेश होने वाली रिपोर्ट में शामिल कार्यसूची और अन्य चर्चाओं में कई अन्य विषय भी शामिल होंगे। दिल्ली में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, खासकर सर्दियों के महीनों में जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। दिल्ली सरकार ने इसके नियंत्रण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, सार्वजनिक परिवहन को सशक्त करना और प्रदूषण नियंत्रण नियमों को सख्ती से लागू करना। कैग की रिपोर्ट यह बताएगी कि इन योजनाओं पर कितना खर्च हुआ और क्या ये वास्तव में प्रभावी साबित हुईं। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होगा कि दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास किए और क्या उसमें कोई वित्तीय अनियमितताएं हुईं।

पाकिस्तान की सरकारी ताकतें जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ करा रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की सरकारी ताकतें जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ करा रही हैं. भारतीय खुफिया एजेंसियों की ओर से जमा किए गए डेटा का विश्लेषण और सबूत इस बात का समर्थन करते हैं.इस विश्लेषण से यह भी पता चला है कि जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहे हैं. दोनों एक दूसरे के सदस्यों को निपटाने में लगे हैं.इसका फायदा भारत की सुरक्षा एजेंसियों को हो रहा है. सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख नेताओं के बीच की बातचीत को इंटरसेप्ट किया है. इसके विश्लेषण से पता चलता है कि दक्षिण एशिया में आतंकी हमलों की योजनाओं को लेकर उनके बीच मतभेद और गहरे हुए हैं. पाकिस्तान की सेना ने दोनों के मतभेदों को दूर करने की कोशिश की, लेकिन वो उन्हें सफलता नहीं मिली. अब वे जैश-ए-मोहम्मद का जम्मू-कश्मीर में इस्तेमाल कर रहे हैं. वे उन्हें भारत में घुसपैठ के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध करा रहे हैं. पिछले कुछ महीनों में भारत में जैश के बहुत से आतंकवादियों की घुसपैठ कराई गई है. जैश-ए-मोहम्मद इस्लाम के देवबंदी विचारधारा को मानता है. वहीं लश्कर-ए-तैयबा अहल-ए-हदीस को मानता है. पाकिस्तान में हाल में हुई कुछ हत्याएं इन दोनों आतंकी संगठनों के बीच के विवाद का परिणाम हैं.

दिल्ली से ऋषिकेश घूमने आया युवक गंगा में डूबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऋषिकेश में दिल्ली से घूमने आये एक युवक की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी। एसडीआरएफ ने यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने बताया कि सच्चाधाम आश्रम के पास नदी में डूबे 20 वर्षीय युवक नरोत्तम का शव रविवार को बरामद हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरोत्तम अपने चार मित्रों के साथ दिल्ली से ऋषिकेश घूमने आये थे और शनिवार को गंगा के किनारे नहाते समय अचानक वह पानी के तेज बहाव में बह गये। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में उनकी तलाश शुरू की। कई घंटों की तलाश के बाद रविवार सुबह नरोत्तम का शव बरामद किया गया।

दिल्ली में महिलाओं को निशाना बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ऑटो-रिक्शा में यात्रा करने वाली महिलाओं को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर गिरोह के सरगना समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अपराध में प्रयुक्त ऑटो-रिक्शा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक 21 मार्च को एक महिला ने बताया कि जब वह ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रही थी, तब उसके गहने लूट लिए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, कई लोगों से पूछताछ की और आरोपियों का पता लगाया। पुलिस ने बताया कि 28 मार्च को मुख्य संदिग्ध के आवास पर छापा मारा गया और ऑटो-रिक्शा के चालक शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसके साथियों दानिश और वसीम को क्रमशः लोनी और खजूरी खास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह महिलाओं को अपने वाहन में बिठाकर उन्हें निशाना बनाता था और यात्रा के दौरान उनका कीमती सामान चुरा लेता था।

कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने वक़्फ़ संशोधन बिल का समर्थन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने वक़्फ़ संशोधन बिल का समर्थन किया है। संस्थान ने कहा कि मौजूदा वक़्फ़ क़ानून के कई प्रावधान संविधान और देश के सेक्यूलर प्रजातांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

दिल्ली की मस्जिदों में अदा की गई नमाज, एक-दूसरे के मिले गले... बच्चों ने मांगी दुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रमजान के पाक महीने के खत्म होने के साथ ही सोमवार को देशभर में ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। देश की सबसे बड़ी मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज पढ़ी गई है।

दिल्ली की जामा मस्जिद के बाद ईद-उल-फितर के मौके पर लोगों ने फतेहपुरी मस्जिद में नमाज अदा की। इस मौके पर यहां भारी संख्या में लोग पहुंचे। वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंजाम भी रहे। मस्जिदों के बाहर दिल्ली पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान मौजूद रहे।

इस मौके पर जामा मस्जिद पर भारी संख्या में लोग मस्जिद प्रांगण में जमा हुए। इस मौके पर बच्चों में खासा उत्साह देखा। जामा मस्जिद के बाहर और आसपास के इलाके में सुबह से भारी पुलिस बल तैनात है।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने ईद-उल-फितर के मौके पर दिल्ली की संसद मार्ग मस्जिद में नमाज अदा की।

आज सुबह ईद-उल-फितर के मौके पर लोगों ने फतेहपुरी मस्जिद में जाकर नमाज अदा की है। वहीं फतेहपुरी मस्जिद में बच्चे एक-दूसरे से गले मिलते हुए नजर आए। रमजान के मुबारक महीने के खत्म होने के बाद ईद का पर्व मनाया आया। ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि यह इंसानियत, भाईचारे और प्रेम का जश्न है।

इस मौके पर गुरुग्राम के लेजर वैली ग्राउंड में ईद पर नमाज पढ़ते मुस्लिम समुदाय के लोग नजर आए। आज देशभर में ईद मनाई जा रही है। ईद के चांद का दीदार होने के साथ रमजान का पवित्र महीना पूरा हो गया है। मुस्लिम धर्म में रमजान के महीना का विशेष महत्व होता है। इस पाक महीने में लगातार करीब 30 दिनों तक खुदा की इबादत और रोजे रखे जाते हैं। ईद के चांद के दिखाई देने के साथ अगले दिन ईद-उल-फितर मनाई जाती है। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में भी ईद का पर्व मनाया जा रहा है। ईद के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह में नमाज अदा की। मुक्ति सुलेमान ने नमाज अदा करवाई।

शराब के शौकीनों के लिए बुरी खबर, दिल्ली में पांच दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें; नोट कर लें तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए पांच ड्राई डे घोषित किए हैं। इन दिनों राजधानी में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। सरकार ने यह फैसला धार्मिक अवसरों की गरिमा बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया है।

कब-कब बंद रहेंगे ठेके

दिल्ली में राम नवमी छह अप्रैल, महावीर जयंती 10 अप्रैल, गुड फाइडे 18 अप्रैल, बुद्ध पूर्णिमा 12 मई और ईद-उल-जुहा छह जून को ड्राई डे रहेगा। इन दिनों शराब की दुकानें, होटल, रेस्तरां और क्लबों में शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक होगी।

ताकि धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित किया जा सके

प्रत्येक वर्ष दिल्ली सरकार धार्मिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए कुछ दिनों को ड्राई डे के रूप में घोषित करती है। सरकार का मानना है कि इन विशेष अवसरों पर शराब की बिक्री पर रोक लगाने से धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित किया जा सकेगा।

दुकानों के बाहर आदेश प्रदर्शित करने के निर्देश

आबकारी आयुक्त सनी सिंह ने कहा कि दिल्ली आबकारी नियम, 2010 के नियम 52 के प्रावधानों के अनुसार शराब लाइसेंसधारियों के लिए ड्राई डे घोषित किए गए हैं। लाइसेंसधारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे अपने लाइसेंस प्राप्त परिसर में आदेश को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करें।

पंजीकरण के लिए डॉक्टर हो रहे परेशान, डीएमसी में नहीं है रजिस्ट्रार; अभी तक 350 आवेदन अटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) में रजिस्ट्रार के अभाव में डॉक्टर परेशान हैं। पंजीकरण के लिए डॉक्टर लगातार आवेदन कर रहे हैं। अभी तक 350 से ज्यादा आवेदन आ गए हैं, लेकिन इस दिशा में कोई काम नहीं हो पा रहा है। दरअसल, दिल्ली सरकार के आदेश के बाद तत्कालीन रजिस्ट्रार डा. गिरीश त्यागी ने दस फरवरी को डीएमसी से त्याग पत्र दे दिया। उन्हें फरवरी 2019 में पांच वर्ष के लिए सेवा विस्तार दिया था। यह अवधि पूरी होने के बाद पिछले वर्ष नवंबर में डीएमसी ने उन्हें दोबारा एक वर्ष के लिए सेवा विस्तार दिया। इस सेवा विस्तार को अवैध बताया गया। साथ ही दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने डा. गिरीश त्यागी को पद से हटाने का निर्देश डीएमसी को दिया था। डॉक्टरों से अपनी समस्या उठाते हुए मांग रखी है कि रजिस्ट्रार की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर डाक्टरों का पंजीकरण शुरू करें। मौजूदा समय में डीएमसी में रजिस्ट्रार और उप रजिस्ट्रार दोनों पद खाली हैं।

अब दिल्ली में भी दुकानों के बाहर नेम प्लेट लगाने की मांग, बीजेपी विधायक ने सीएम रेखा गुप्ता को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि शहर भर के दुकानदारों को नवरात्रि और ईद के त्यौहार के दौरान अपने प्रतिष्ठानों के सामने अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए कहा जाए। इस प्रस्ताव का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना और इन महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों के दौरान चहल-पहल वाले बाजारों में पहचान और जवाबदेही की भावना सुनिश्चित करना है। अपने पत्र में मारवाह ने सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने और अधिक संगठित खरीदारी के माहौल को बढ़ावा देने में स्पष्ट पहचान के महत्व पर जोर दिया।

मारवाह के पत्र में लिखा है, 'जैसे-जैसे नवरात्रि और ईद नजदीक आ रही है, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि उत्सव आपसी सम्मान और सद्भाव के साथ मनाए जाएं। मैं आपके सम्मानित कार्यालय से अनुरोध करता हूं कि वह दिल्ली भर के दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों के सामने नेमप्लेट लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करें। इससे नागरिकों को पवित्र वस्तुओं की खरीदारी करते समय सूचित विकल्प बनाने, अपने अनुष्ठानों और विश्वासों की पवित्रता बनाए रखने में मदद मिलेगी।'

उन्होंने आगे कहा कि यह कदम पारदर्शिता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देगा। आपका हस्तक्षेप सुचारू उत्सव सुनिश्चित करने और गलतफहमी को रोकने में मदद करेगा। चूंकि इन त्योहारों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ती है, इसलिए विधायक का मानना है कि नाम प्रदर्शित करने से संचार और ग्राहक सेवा में भी सुधार होगा। यह सुझाव ऐसे समय में आया है जब दिल्ली में नवरात्रि और ईद दोनों के लिए जीवंत उत्सव मनाया जा रहा था, जो शहर की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को दर्शाता है। इस बीच, जैसे ही अर्धचंद्र ने पिछली रात रमज़ान के अंत का संकेत दिया, देश भर के लाखों मुसलमान सोमवार की सुबह ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में नमाज़ अदा करने के लिए मस्जिदों और प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए।

'दिल्ली में रोज लग रहे पावर कट': आतिशी बोलीं- बीजेपी सरकार आते ही घंटो गुल रहने लगी बिजली, भाजपा ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रोज लग रहे पावर कट को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा को सरकार नहीं चलाने आती है। उनकी सरकार आते ही दिल्ली में घंटों बिजली जाने लगी है। ऐसा पहले 10 साल पहले हुआ करता था। उन्होंने कहा कि आप सरकार में दिल्ली की बिजली व्यवस्था बेहतर थी।

उन्होंने कहा कि लोगों को फिर से इनवर्टर लगाने पड़ सकते हैं। दिल्ली में 10 साल पहले तक हर घर में इनवर्टर हुआ करते थे। इससे पहले 2014 की गर्मियों में आखिरी बार दिल्लीवालों ने 6 से 8 घंटे तक बिजली गायब देखी थी। दिल्ली में फरवरी 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री बनकर दिल्ली में पावर सप्लाई को बेहतर बनाया।

दिल्ली देश का इकलौता राज्य बन गया जो बिना पावर कट के 24 घंटे बिजली देता रहा है। यह केंद्र सरकार के आंकड़े बता रहे हैं। तीन फरवरी 2025 को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में पेश नाटा बताता है कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर दिल्ली की बिजली वितरण कंपनियां हैं, जो 24 घंटे बिजली देती हैं।

इन क्षेत्रों में लग रहे हैं पावर कट

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं। उसकी शिकायत के अनुसार यूनिवर्सिटी में 5 घंटे, किराड़ी में 3 घंटे, रोहिणी सेक्टर 22 में 6-8 घंटे, तिलक नगर में 8 घंटे, बुराड़ी में 4 घंटे, जगतपुर गांव में 8 घंटे, राजपुर खुर्द में 7 घंटे, करावल नगर में 2 घंटे का पावर कट हो रहा है।

24 घंटे बिजली आपूर्ति होती है तो यह कोई अनूठा काम नहीं - वीरेंद्र सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को मालूम होना चाहिए कि दिल्ली देश की राजधानी है। यहां 24 घंटे बिजली आपूर्ति होती है तो यह कोई अनूठा काम नहीं है। भाजपा शासित मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, बडोदरा समेत कई जगहों पर अबाधित बिजली सप्लाई होती है। उत्तर प्रदेश जिसे 2017-18 तक बिजली उत्पादन एवं सप्लाई में बीमार प्रदेश माना जाता था, वह आज रात दिन रोशन प्रदेश की तरह जगमगाता है।

उनकी सरकार ने निजी कंपनियों को लाभ नहीं दिया

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा नेता

अपने राज्यों में अच्छी बिजली सप्लाई पर कोई ढोल नहीं पीटते, क्योंकि 24 घंटे बिजली सप्लाई शासन का कर्तव्य है न की जनता पर कोई एहसान। आतिशी जिस शानदार पावर सप्लाई का दावा कर रही हैं, उसकी नींव दिल्ली में राष्ट्रपति शासन के दौरान 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरूण जेटली ने संसद में दिल्ली का बजट पेश करते हुए रखी थी। वे बताएं कि क्या यह सच नहीं कि दिल्ली में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा कर उनकी सरकार ने निजी कंपनियों को लाभ नहीं दिया।

जनवरी से अब तक डीटीसी की 790 बसें हटाई गईं, यात्रियों की बढ़ी परेशानी; काफी देर तक करना पड़ता इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सड़कों से इस साल एक जनवरी से अब तक 790 बसें सड़कों से हट चुकी हैं। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यस्त समय में बसें यात्रियों को बसों के लिए बस स्टॉप पर काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है। 15 अप्रैल को 997 क्लस्टर बसों का संचालन भी बंद होगा, ऐसे में यात्रियों की समस्या और बढ़ेगी। जिस तरह बसें सड़कों से हट रही हैं, उतनी संख्या में नई इलेक्ट्रिक बसें नहीं आ रही हैं। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह यह कह चुके हैं कि अप्रैल के पहले सप्ताह में एक हजार नई इलेक्ट्रिक बसें आ जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) के तहत कलस्टर योजना के तहत चलाई जा रही 997 बसों का अनुबंध 15 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इतनी बड़ी संख्या में बसों का संचालन बंद होने से इसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ेगा। हालांकि अधिकारियों ने संकेत दिया है कि इन बसों का अनुबंध आगे बढ़ाया जा सकता है, जिससे यात्रियों को दिक्कतों को सामना न करना पड़े। बताया जा रहा है कि इस साल दिसंबर 2025 तक डीटीसी की कुल 2000 बसें सड़कों से हटेंगी।

मोनालिसा को स्टार बनने वाला सनोज मिश्रा बलात्कार, मारपीट और गर्भपात कराने के आरोप में गिरफ्तार

-महिला की शिकायत के आधार पर गाजियाबाद से पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। महाकुंभ में वायरल गर्ल मोनालिसा को फिल्म में काम करने का ऑफर देने वाले निर्देशक सनोज मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर बलात्कार के साथ मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने का आरोप है। आरोप है कि मिश्रा ने एक छोटे कस्बे से आने वाली, लड़की के साथ न केवल बलात्कार किया बल्कि तीन बार उसका गर्भपात भी कराया। पुलिस ने निर्देशक मिश्रा को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार, मारपीट, गर्भपात कराने, धमकी देने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पीड़िता महिला की शिकायत के अनुसार, आरोपी बीते चार वर्षों से उसके साथ मुंबई में लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहा था। महिला ने आरोप लगाया कि तीन बार गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया गया। महिला ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि 18 फरवरी 2025 को आरोपी, शिकायतकर्ता को होटल शिवा में लाया और शारीरिक संबंध बनाए। बाद में वह उससे शादी करने के अपने वादे से मुकर गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने अपने बयान में भी आरोपों का समर्थन किया। जांच के दौरान मुजफ्फरनगर से गर्भपात से संबंधित मेडिकल पेपर एकत्र किए गए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज की है। इसके बाद 45 वर्षीय आरोपी सनोज मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार आरोपी शादीशुदा है और परिवार के साथ मुंबई में रहता है। आरोप है कि झांसे से आरोपी महिला को एक रिसॉर्ट में ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए और धमकी दी कि अगर विरोध किया, तब सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। इसके बाद शादी का झांसा देकर कई बार अलग-अलग जगहों पर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके साथ ही फिल्मों में काम दिलाने का लालच भी दिया।

पुरानी रंजिश का खूनी अंत : पड़ोसी ने बेटों संग मिलकर कर दी बुजुर्ग की हत्या, बेटे पर डंडे और ईंट से किया हमला

नई दिल्ली। जाफराबाद के मौजपुर इलाके में रविवार को पुरानी रंजिश में पड़ोसी ने अपने बेटों के साथ मिलकर बुजुर्ग की चाकू गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों ने बुजुर्ग के बेटे पर डंडे और ईंट से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी के नाबालिग समेत तीन बेटों की तलाश में दबिश दे रही है। मृतक की शिनाख्त रहीसुद्दीन (60) के रूप में हुई है। वह अपने पत्नी मेहरुनिशा, दो बेटे हासिम और कासिम और बेटी सबीना के साथ मौजपुर के विजय मोहल्ला में रहते थे। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 1.35 बजे पुलिस को विजय मोहल्ला मौजपुर में चाकूबाजी की घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल रहीसुद्दीन और उनके बेटे कासिम को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कासिम के बयान पर हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। जांच में पता चला कि रहीसुद्दीन का अपने पड़ोसी रफीक के साथ मामूली बात पर विवाद हो गया। इसके बाद पड़ोसी रफीक ने अपने तीन बेटों के साथ मिलकर उस पर चाकू और डंडे से हमला कर दिया। कासिम ने बताया कि रफीक कबाड़ी का काम करता है। सामान को लेकर उनका ढाई माह पहले उनका रफीक और उसके परिवार वालों से विवाद हो गया था।

वियतनाम के एक भारतीय रेस्टोरेंट का बिल चर्चा में, चाय की कीमत 65,000 और पानी की बोतल 50,000

नई दिल्ली (एजेंसी)। वियतनाम के एक भारतीय रेस्टोरेंट का एक बिल इन दिनों सोशल मीडिया में सुर्खियों में है, जिसमें एक तवा रोटी की कीमत 30,000, एक कप चाय की कीमत 65,000 और पानी की बोतल 50,000 में दिख रही है। इन कीमतों को देखकर कोई भी हैरान है, लेकिन असलियत में यह रकम भारतीय रुपये में नहीं बल्कि वियतनामी करेंसी डोंग में है, जो कि भारतीय रुपये की तुलना में काफी कमजोर है। वियतनाम की करेंसी दुनिया की दूसरी सबसे सस्ती मुद्रा मानी जाती है और 1 भारतीय रुपये के बदले करीब 300 वियतनामी डोंग मिलते हैं। इसकारण वहां रेस्टोरेंट्स में खाने-पीने का बिल लाखों में दिखता है, लेकिन असल में भारतीय रुपये में यह बहुत कम होता है।

हनोई शहर के एक भारतीय रेस्टोरेंट का वायरल हुआ बिल इसका प्रमाण है। इसमें दो लोगों के खाने का कुल बिल 872,000 डोंग था, जो भारतीय मुद्रा में मात्र 3,000 रुपये बैठता है। जीरा राइस की कीमत 77,000 डोंग (रुपये 256), तवा रोटी 30,000 डोंग (रुपये100), दाल तड़का 115,000 डोंग (रुपये383) और चिली पनीर 155,000 डोंग (रुपये 516) में उपलब्ध है। इसी तरह, एक कप चाय के लिए 65,000 डोंग यानी करीब 216 रुपये चुकाने पड़ते हैं। वहीं, चिकन चेटिनाड 177,000 डोंग (रुपये590) और गार्लिक नान 60,000 डोंग (रुपये 200) में मिलता है। मार्च 2024 भारतीय रुपये के लिए बेहद अच्छा रहा। डॉलर के मुकाबले इसमें 2.5 प्रतिशत की मजबूती आई, जो 2018 के बाद से एक महीने में सबसे बड़ी बढ़त थी। शुक्रवार को रुपया 32 पैसे बढ़कर 85.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर दिखाई देता है, लेकिन कई देशों की करेंसी इसकी तुलना में बेहद सस्ती हैं। ईरान की करेंसी रियाल दुनिया की सबसे सस्ती मुद्रा है, जहां 1 रुपये में 497 रियाल मिलते हैं। वियतनाम के बाद सियरा लियोन, लाओस और इंडोनेशिया जैसी जगहों पर भी भारतीय रुपया ज्यादा मजबूत है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस को नियमित ट्रेन का दर्जा देते हुए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । कुमाऊँ क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कुमाऊँ क्षेत्र के लोगों को लंबी दूरी तक बेहतर ट्रेन सेवाओं का लाभ मिलेगा। इससे स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और माँ पूर्णागिरि धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा सुगम होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। स्थानीय उत्पादों को अधिक बाजार मिलेगा और 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को नई गति मिलेगी। 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' योजना से क्षेत्रीय हस्तशिल्प और विशेष उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान मिलेगी।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री ने कहा कि हिंदू नव वर्ष के शुभारंभ पर इस ऐतिहासिक रेल सेवा की शुरूआत हो रही है। टनकपुर रेलवे स्टेशन को नई पहचान मिलेगी, जिससे पूरे क्षेत्र का विकास तेजी से होगा और यात्रियों को सुगम यात्रा का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पर्वतीय इलाकों तक ट्रेन सेवाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। टनकपुर से बागेश्वर और रामनगर-चौकुटिया रेल लाइन का सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में पहाड़ी क्षेत्रों में भी रेल सुविधा का विस्तार होगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, इज्जतनगर के अनुसार, यात्रियों की सुविधा हेतु इस एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित संचालन 30 मार्च 2025 से टनकपुर से और 31 मार्च 2025 से दौराई से सप्ताह में चार दिन किया जाएगा।15092 टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को टनकपुर से 18:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:55 बजे दौराई पहुंचेगी। यात्रा मार्ग में खटीमा, पीलीभीत, बरेली, दिल्ली, गुड़गांव, अजमेर सहित प्रमुख स्टेशन होंगे।

वापसी में 15091 दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को 16:05 बजे दौराई से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:35 बजे टनकपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान को जोड़ेगी। इस ट्रेन में यात्रियों की सुविधा हेतु 16 आधुनिक एलएचबी कोच लगाए गए हैं, जिनमें 01 जनरेटर सह लगेज यान, 04 साधारण द्वितीय श्रेणी कोच, 05 शयनयान कोच, 03 वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी कोच, 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं। टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस के संचालन से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के बीच यातायात सुगम होगा। व्यापार, पर्यटन और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास होगा। इस दौरान गोविंद सामंत (जिला अध्यक्ष, भाजपा), विपिन कुमार (अध्यक्ष, नगर पालिका टनकपुर), दीपक रजवार (विधायक प्रतिनिधि), श्रीमती रेखा देवी (अध्यक्ष, नगर पालिका बनबसा), श्रीमती हेमा जोशी (प्रदेश मंत्री, भाजपा), शिवराज सिंह कठायत (पूर्व दर्जा राज्य मंत्री), रोहतास अग्रवाल (वरिष्ठ नेता), पूरन सिंह मेहरा (जिला महामंत्री, भाजपा), श्रीमती वीणा सिन्हा (ऊष्ट), संजीव शर्मा (र.फ ऊ्ऊट) सहित कई गणमान्य व्यक्ति सहित अन्य उपस्थित रहे।

'UCC मुस्लिम महिलाओं को हलाला-शिद्दत जैसी कुप्रथाओं से बचाएगा, वोट बैंक की खातिर विपक्षी दलों में नहीं था ये साहस'

बरेली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार 31 मार्च को यूपी के बरेली में पहुंचे. यहां उन्होंने समान नागरिक संहिता को लेकर फिर से बड़ा बयान दिया है. सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यूसीसी के जरिए उत्तराखंड की मुस्लिम बहन-बेटियों को हलाला और शिद्दत जैसी कुप्रथाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा. इसके अलावा महिलाओं को विरासत और संपत्ति के अधिकार में भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा. दरअसल, उत्तराखंड के समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए बरेली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सम्मानित किया गया. इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए सीएम धामी ने न सिर्फ यूसीसी के बारे में लोगों को बताया, बल्कि विपक्षी दल पर भी यूसीसी को लेकर निशाना साधा. सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि यूसीसी किसी भी धर्म और पंथ के खिलाफ नहीं है. यूसीसी समाज की कुप्रथाओं को मिटाकर समानता से समरसता स्थापित करने का उपाय है. इसमें किसी भी धर्म की मान्यताओं को समाप्त नहीं किया गया है. सीएम धामी ने कहा कि कई लोगों ने यूसीसी में लिव इन के प्रावधानों को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की, लेकिन वो स्पष्ट करना चाहते हैं कि लिव इन के पीछे उनका एक ही मंतव्य है कि हमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा मजबूत हो. इसके अलावा सीएम धामी ने विपक्ष पर निशाना साधाते हुए कहा कि ये देश का दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद से देश में ऐसी पार्टी का शासन रहा, जिसने वोट बैंक की राजनीति के कारण यूसीसी को लागू करने का साहस नहीं दिखाया. जबकि कई देशों में यूसीसी पहले से लागू है.

हर शहर में बनाए जाएंगे सिल्वर जुबली पार्क: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सर्वे स्टेडियम, देहरादून में राज्य सरकार के सेवा, सुशासन और विकास के तीन साल पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जन समस्याओं के समाधान हेतु लगाए गए बहुउद्देशीय शिविर का अवलोकन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हाथीबड़कला से सर्वे स्टेडियम तक भव्य रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य स्थापना वर्ष के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य के शहरों में देवभूमि सिल्वर जुबली पार्क का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग की स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट कार्ड लिंकेज के चेक, लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट और कृषि यंत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के समग्र विकास हेतु तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में शहरों से लेकर सुदूर गांवों तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, वहीं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य पूर्ण कर जल्द ही पहाड़ों में रेल का सपना साकार करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही उड़ान योजना के माध्यम से देहरादून, अल्मोड़ा, उत्तराकाशी, गौचर और पिथौरागढ़ सहित प्रदेश के लगभग 12 नगरों के लिए हेली सेवाएं शुरू होने से राज्य की एयर कनेक्टिविटी मजबूत हुई।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। देहरादून में 1400 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। शहर में स्मार्ट स्कूलों की स्थापना करने के साथ ही लैंसडाउन चौक पर 650 पाठकों की क्षमता वाली अत्याधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण किया गया है। एक ओर जहां शहर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 30 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है, वहीं निजी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 11 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण भी किया जा रहा है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, दजार्धारी राज्य मंत्री डॉ. देवेंद्र भसीन, कैलाश पंत, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मसूरी मीरा सकलानी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

देहरादून कुट्टू आटा फूड प्वाइजनिंग मामले में पुलिस का एक्शन, सहारनपुर पहुंची टीम, 22 दुकानें सील

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तराखंड के देहरादून में कुट्टू का आटा खाने से 100 से ज्यादा लोग बीमार हो गए. इन लोगों को फूड प्वाइजनिंग के बाद देहरादून के कोरोनेशन, दून हॉस्पिटल और महंत इंद्रेश अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. इतने लोगों के एक साथ बीमार होने से पुलिस भी अलर्ट हो गई. पुलिस और प्रशासन की कई टीमें उन जगहों पर छापेमारी कर रही हैं, जहां से कुट्टू के आटे की सप्लाई हुई है. देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सभी लोगों ने कल शाम यानी रविवार को पहली नवरात्रि पर कुट्टू के आटे के पकवान खाए थे. इससे देर रात या फिर सुबह को उनकी तबीयत खराब हो गई, जिन्हें देहरादून के दो अलग-अलग सरकारी हॉस्पिटलों में भर्ती कराया गया था. हालांकि मरीजों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने अलग-अलग जगहों से कुट्टू का आटा खरीदा था. इसी सूचना के आधार सभी टीमों को अलर्ट किया गया. देहरादून एसएसपी अजय सिंह के मुताबिक जहां-जहां से भी कुट्टू का आटा खरीदा गया और सप्लाई हुई, वहां पर पुलिस व प्रशासन की टीमों ने छापेमारी की है. पुलिस की जांच में करीब 22 जगह ऐसे मिली हैं, जहां से कुट्टू का आटा खरीदा गया था, उन जगहों को सील कर दिया गया. इसके अलावा कुट्टू के आटे को जब्त कर दिया गया है ताकि आगे किसी की तबीयत खराब न हो सके. इसके अलावा मुख्यमंत्री धामी ने भी पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मिलावट का यह कारोबार जहां भी हो रहा है, वहां पर छापेमारी कर आटे को जब्त किया जाए. इसे देखते हुए पुलिस टीम को सहारनपुर भेजा गया है, जो

मौके पर पहुंच भी गई है. सहारनपुर में जहां-जहां से भी कुट्टू के आटे की सप्लाई हुई है, वहां पर कार्रवाई की जा रही है. सहारनपुर से जिला प्रशासन और पुलिस को भी जानकारी मुहैया करा दी गई है. इसलिए जिस फैक्ट्री में में कुट्टू का आटा तैयार हुआ है, उस फैक्ट्री को सील करने की तैयारी की जा रही है. साथ ही एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इस मामले में फूड इंस्पेक्टर की तरफ से भी मुकदमा दर्ज करने की तहरीर प्राप्त हुई है, जिसमें मुकदमा दर्ज करके ऐसे मिलावटखोरों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है. पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज भी कर लिए है. देहरादून एसएसपी अजय सिंह के मुताबिक हॉस्पिटल में भर्ती सभी मरीज अभी नॉर्मल हैं. इसके अलावा कुट्टू का आटा बेचने वाले दुकानदारों से पूछताछ की जा रही है.

रामनवमी को लेकर अयोध्या नगर निगम की बड़ी तैयारी, श्रद्धालुओं के लिए होंगे विशेष इंतजाम

मुख्यमंत्री योगी खुद कर रहे हैं श्रद्धालुओं के लिए हो रहे विशेष इंतजामों की मॉनिटरिंग

अयोध्या/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । अयोध्या में इस बार रामनवमी के पर्व को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रृंगारहाट से रामपथ के गेट नंबर तीन तक मैटिंग बिछाई जाएगी और उस पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। वहीं, धर्मपथ पर छायादार अस्थायी शिविर बनाए जाएंगे, ताकि भक्तों को धूप से राहत मिल सके। पानी की व्यवस्था के लिए 243 स्थानों पर पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की गई है। मेला क्षेत्र में साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मशीनों के साथ-साथ श्रमिकों की टीम सफाई कार्य में जुटी है। इसके अलावा, 34 मोबाइल टॉयलेट्स सहित अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए प्रवर्तन दल सक्रिय रहेगा। इन सभी तैयारियों की निगरानी खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं, वहीं आगामी दिनों में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों के निर्देशित किया था कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर नगर निगम का जोर

अयोध्या में रामनवमी का उत्सव इस बार नए राम मंदिर के उद्घाटन के बाद और भी खास होने जा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। ऐसे में, अयोध्या नगर निगम ने रामनवमी के आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों को पुख्ता करने में जुट गया है। गर्मी से बचाव, स्वच्छता और व्यवस्था के ये कदम श्रद्धालुओं के लिए एक सुखद अनुभव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या न केवल धार्मिक, बल्कि व्यवस्थित और सुरक्षित तीर्थस्थल के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि नगर निगम अपनी तैयारियों के साथ मेले में उतर रहा है। हमारी कोशिश है कि किसी भी श्रद्धालु को तकलीफ न पहुंचे।

तीन चरण में होगी सफाई, 395 डस्टबिन लगेंगे

रामनवमी मेले के दृष्टिगत आवंटित रुट पर तीन चरण में सफाई होगी। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति, आरती घाट, चौधरी चरण सिंह घाट व दर्शन पथ समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर प्रथम चरण में 1204, द्वितीय चरण में 398 व तृतीय चरण में 136 सफाई कर्मी उतारे जाएंगे। इनका सुपरविजन करने के लिए 73 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। कूड़ा एकत्रित करने के लिए 395 डस्टबिन की व्यवस्था भी की गई है।

991 टॉयलेट्स सीट्स के हैं इंतजाम

सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में साफ-सफाई के साथ शौचालय के भी पुख्ता बंदोबस्त किए जा रहे हैं। कुल 991 टॉयलेट्स सीट्स मेला क्षेत्र में लगी हुई हैं जिनकी साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारी लगाए गए हैं। सभी टॉयलेट्स के पास हैंडवाश इत्यादि के इंतजाम सुनिश्चित कराए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए अन्य जन सुविधाएं

1- नगर निगम द्वारा रामनवमी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को छाया उपलब्ध कराने के लिए धर्मपथ पर विशेष रूप से अस्थायी शिविर निर्मित कराया जा रहा है।

2- धूप से बचाव के लिए जिला प्रशासन चिन्तहि स्थलों पर छायादार शिविर की व्यवस्था कर रहा है।

3- शिविर में श्रद्धालुओं के बैठने के साथ-साथ मूलभूत सुविधाएं तथा पेयजल, शौचालय व स्प्रिंकलर फैन की व्यवस्था भी की जाएगी।

4- सीएसआर के माध्यम से अयोध्या धाम क्षेत्र में ग्लूकॉन डी का वितरण किया जायेगा।

5- अयोध्या में स्थित सभी हेल्थ एटीएम में ओआरएस की उपलब्धता को नगर निगम सुनिश्चित करेगा।

6- अयोध्या धाम के चिन्हित स्थलों पर पादुका सेवा के कैंप लगाये जाएंगे।

7- ग्रीष्म ऋतु में तापमान वृद्धि के दृष्टिगत हैण्ड हेल्ड स्प्रिंकलर के माध्यम से स्प्रिंकलिंग कराई जाएगी।

अतिक्रमण हटाएगा प्रवर्तन दल, प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ भी चलेगा अभियान

प्रवर्तन दल द्वारा पुलिस बल के साथ मिलकर संपूर्ण मेला क्षेत्र में भ्रमण करते हुए अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में पॉलीथीन के विरुद्ध कार्यवाही एवं जागरूकता अभियान भी चलाया जायेगा। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में निराश्रित गोवंशों को प्रतिबंधित किए जाने हेतु तीन टीम गठित की गयी है, जो समयानुसार अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे। इसके अतिरिक्त, नगर निगम के कर्मचारी रामपथ व धर्मपथ, भक्तिपथ मार्ग पर आवश्यकतानुसार छुट्टा जानवरों के रोकथाम का कार्य करेंगे।

सम्भल के कायाकल्प में जुटी योगी सरकार,अत्याधुनिक जिला अस्पताल की सौगात

25.8 हजार वर्ग मीटर में होगा नए जिला अस्पताल का निर्माण, 100 बेड की होगी क्षमता

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पूर्व की सरकारों में तुष्टिकरण में आगे रहे और विकास के मामले में पिछड़े संभल के कायाकल्प को योगी सरकार तैयार है। इसी क्रम में योगी सरकार अप्रैल से सम्भल के बहजोई में अत्याधुनिक जिला अस्पताल के निर्माण कार्य में तेजी लाने जा रही है। 25.8 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में नए जिला अस्पताल का निर्माण होना है जिसमें 100 बेड की क्षमता होगी। नियोजन विभाग ने निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया है।

पोस्टमॉर्टम हाउस, नर्सिंग हॉस्टल व आश्रय स्थल का भी होगा निर्माण

नियोजन विभाग द्वारा सम्भल के बहजोई में निर्मित होने वाले जिला अस्पताल में 2 मंजिला अनावासीय अस्पताल भवन के साथ विभिन्न खंडों के आवासीय भवनों का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त, नर्सों के लिए हॉस्टल, पोस्टमॉर्टम हाउस, तीमारदारों के लिए आश्रय स्थल तथा सब स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। संपूर्ण परिसर में सड़क, फुटपाथ, पार्किंग, आरसीसी ड्रेन, बिजली व पानी सप्लाई, 2 मेन गेट व बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार के कार्यों को पूरा किया जाएगा। परिसर को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित किया जाएगा। इसे यूपीएस सिस्टम, सीसीटीवी सिस्टम, एलएएन सिस्टम, लिफ्ट, एचवीएसी तथा एसटीपी, ईटीपी व डब्ल्यूटीपी जैसी प्रणालियों से युक्त किया जाएगा।

विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों की होगी स्थापना

योजना के अनुसार, अस्पताल परिसर की आधारभूत

संरचना के निर्माण व विकास के साथ ही इसे भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विभिन्न प्रकार की अत्याधुनिक मेडिकल इक्विप्मेंट्स से लैस करने की तैयारी है। जिला अस्पताल परिसर में हरित क्षेत्र विकसित करने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। 8.4 हजार वर्ग मीटर से अधिक एरिया में हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा जिसमें 100 वृक्षों समेत 300 विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। अस्पताल परिसर में 6 से 9 मीटर चौड़ी सड़कों का विकास किया जाएगा जिससे किसी को आवागमन में परेशानी न हो। परिसर में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रक्रिया तथा सिक्योरिटी रूम जैसे निर्माण व विकास कार्यों को भी पूरा किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

शांति और सद्भाव के लिए निकला ऐतिहासिक जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा, वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

सुलतानपुर/ भव्य खबर । रमजानुल मुबारक के महीने के आखिरी जुमा को फतह मक्का की याद में सुलतानपुर में ऐतिहासिक जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा हर साल की तरह बिबिया मस्जिद चौक से शांति और सद्भावना के साथ निकाला गया। इस जुलूस की शुरूआत 75 साल पहले मौलाना अब्दुल अव्वल फारूकी द्वारा की गई थी, और तब से यह जुलूस बिना किसी रुकावट के हर साल अलविदा जुमा के बाद निकाला जाता है। इस साल जुलूस में वक्फ बोर्ड बिल के विरोध में भी लोगों ने काली पट्टी बांध रखी थी, जिससे उनके विरोध की आवाज भी साफ सुनाई दी। जुलूस की अगुवाई मौलाना मोहम्मद कसीम कासमी, मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी और मौलाना मताहरुस्सालाम कासमी की कयादत में की गई। यह जुलूस बिबिया मस्जिद से शुरू होकर शाहगंज चौराहा, डाकखाना चौराहा, गंदा नाला रोड, आगरा मिष्ठान, चौक घण्टा घर, चित्रा स्टूडियो गली, मतीन रोड और अन्नू चौराहा होते हुए खैराबाद स्थित जामिया इस्लामिया मदरसा पर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान फतह मक्का का तजकिरा किया गया और हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम की शान में नात पाक पढ़े गए, साथ ही सहाबा रजी अल्लाह अन्हु के शान में मनकबत के भी मिसरे पेश किए गए। नातिया कलाम पेश करने वालों में अंजुमने, मौलाना, नात ख्वा और शायर आदि शामिल थे। सभी जगहों पर पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी थी ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इस मौके पर शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों जैसे जावेद अहमद, अफतार अहमद, अरबाब अहमद समेत हजारों लोग मौजूद रहे। जुलूस ने शहर में धार्मिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

सड़क दुर्घटना में दिवंगत सपा नेता के परिवार से मिले सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, श्रद्धांजलि अर्पित कर दी आर्थिक मदद

चांदा/सुलतानपुर/ भव्य खबर । 22 मार्च को सड़क दुर्घटना में सपा के समर्पित नेता अमरजीत यादव का असमय निधन हो गया था। उनकी आकस्मिक मृत्यु ने परिवार को गहरा दुख दिया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता और बड़े भाई को पहले ही खो दिया था। अब परिवार की जिम्मेदारी अकेले उनके कंधों पर थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस दुख की घड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक अनूप संडा, साथ ही लंभुआ विधानसभा के वरिष्ठ सपा नेता जितेंद्र वर्मा उर्फ बाजीगर, शोक संतृप्त परिवार के पास पहुंचे। दोनों नेताओं ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी।सपा नेताओं ने परिवार को ढांढस बंधाया और उन्हें भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके साथ है। उन्होंने आगे कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मदद दिलवाने के लिए भी प्रयास करेंगे। मौके पर सपा कार्यकर्ता भजन यादव, सूरज वर्मा, राजेश वर्मा, महेंद्र यादव, हरीश यादव, वंशराज यादव, धर्मराज त्यागी, रहतीपुर प्रधान अमरनाथ यादव, कुलदीप वर्मा, विनोद वर्मा, हरिओम वर्मा, पूर्व प्रधान दिलीप वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। सपा का यह कदम न केवल शोकाकुल परिवार के लिए संजीवनी साबित हुआ, बल्कि यह दर्शाता है कि सपा परिवार हमेशा अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा है।

"अलविदा जुमा" कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिदों में नमाज, देश की खुशहाली की मांगी दुआ

सुलतानपुर/ भव्य खबर । रमजान के आखिरी जुमा को सुलतानपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलविदा की नमाज अदा की गई। इस खास मौके पर मस्जिदों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही, जबकि सड़कों पर नमाज की रोक के कारण अधिकतर मस्जिदों में दो पालियों में नमाज का आयोजन किया गया। शहर की प्रमुख मस्जिदों में से एक, जामा मस्जिद में मौलाना अब्दुल लतीफ ने रोजेदारों को नमाज अदा कराई। नमाज के बाद, सभी नमाजियों ने देश की खुशहाली, शांति और अमन-चैन की दुआ की। इसके अलावा, मरकज मस्जिद में मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी और जामिया इस्लामिया में मौलाना मोहम्मद ओसामा कासमी ने भी नमाज पढ़ाई। बिबिया मस्जिद, मस्जिदे बिलाल और अन्य प्रमुख मस्जिदों में भी अलग-अलग इमामों ने नमाज अदा कराई। धार्मिक नेताओं ने अपने संबोधन में विशेष रूप से शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि आज के कंप्यूटर युग में युवाओं के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है, क्योंकि समाज के विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत प्रशासन ने पूरे जिले को 5 जोन और 19 सेक्टरों में बांटकर, वहां कड़ी निगरानी रखी। एक प्लाटून और डेढ़ सेक्शन पीएसी के साथ 50 इंस्पेक्टर, 200 सब इंस्पेक्टर और 450 हेड कांस्टेबल-कांस्टेबल तैनात किए गए। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस मार्च करती रही ताकि शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके। यह अलविदा जुमा शांति, भाईचारे और एकता का प्रतीक बना, जहां मुस्लिम समुदाय ने देश और समाज की खुशहाली के लिए दुआ की।

बेरी इन्दपुरी मोरम खण्ड 10/6 के बेखौफ संचालक गौरी सिंह नदी की जलधारा में प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से अवैध खनन कर लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना

हमीरपुर/ भव्य खबर । प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खननिदेशक माला श्रीवास्तव की रोक के बावजूद हमीरपुर के बेरी इन्दुपुरी कंवर इंटर प्राईजेज मोरम खण्ड10/6 के बेखौफ संचालक गौरी सिंह और इनके गुर्गे प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से नदी की जलधारा में मोरम का अवैध खनन करने के साथ ही खण्ड में आने वाले ट्रकों में ओवर लोडिंगऔर अवैध परिवहन कर को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना, वही हमीरपुर खनिज अधिकारी विकास परमार इन मोरम माफियाओं के आगे नतमस्तक नजर आ रहे हैं। जबकि मोरम के इस अवैध खनन, ओवरलोडिंग सहित अवैध परिवहन की खबर न छापने के नाम पर हमीरपुर नगर के हाथी दरवाजा स्थित मकानसे खण्ड संचालक गौरी सिंह और उनके मुनीम लाईन लगाकरएक हजार से पन्द्रह सौ रुपए जिम्मेदारों को देकर खबर न छापने के लिये मैनेज करने का कर रहे हैं दावा।

टोपी पहनकर ईद की नमाज में पहुंचे नीतीश

गांधी मैदान में दोनों हाथ उठाकर मांगी दुआ, इशारा कर मंत्री अशोक चौधरी को टोपी पहनाने को कहा

पटना। बिहार समेत देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। पटना, बेगूसराय समेत राज्य के अलग-अलग जिलों में सुबह 7.30 बजे नमाज अता की गई। पटना के गांधी मैदान में करीब 20 हजार नमाजियों ने नमाज पढ़ी। वहीं, लोगों को बधाई देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने टोपी पहनकर प्रदेशवासियों और मुस्लिम भाई-बहनों को ईद की बधाई दी। सीएम नीतीश ने दोनों हाथ उठाकर दुआ मांगी। सीएम ने एक बच्चे के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान उन्होंने पास खड़े शख्स को इशारा कर मंत्री अशोक चौधरी को टोपी पहनाने को

कहा। इसके बाद वो शख्स टोपी लाया और मंत्री को पहनाई।जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने किशनगंज में ईद मनाई। इस मौके पर वो नमाजियों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि 'सीमांचल में ईद के अवसर पर किशनगंज से बेहतर कोई जगह नहीं है।' वहीं अमित शाह के दौरे पर कहां कि 'वो चुनाव को लेकर आए है, हम ईद को लेकर आए हैं।' बिहार के भागलपुर, नालंदा समेत कई जगहों पर हाथ में काली पट्टी लगाकर ईद की नमाज अदा की गई। वक्फ संशोधन बिल को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर काली पट्टी बांध वक़्फ़ संशोधन बिल का विरोध जताया। बीते शुक्रवार को अलविदा जुमा पर भी काली पट्टी बांध कर विरोध जताया गया था। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि वक्फ की संपत्ति है ये उनके बाप दादाओं की है इसपर सरकार को कब्जा करने नहीं देंगे। वहीं भागलपुर से विधायक अजित शर्मा ने भी वक़्फ़ संशोधन विधेयक का विरोध करते कहा कि यह बिल कभी पास नहीं होने दिया जाएगा हमलोग भी इसके विरोध में हैं सरकार को इसपर सोचना होगा। ईद की नमाज को लेकर पटना में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। डीएम डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह और एसएसपी अवकाश कुमार ने भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, ट्रैफिक और विधि-व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। गांधी मैदान को 4 सेक्टर में बांटा गया है। सुरक्षा को लेकर 128 CCTV कैमरे लगाए गए हैं। सेक्टर में अपर जिला दंडाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों को तैनात किया गया है। एंबुलेंस, फायर यूनिट और पेयजल की व्यवस्था रहेगी। पैदल गश्ती दलों और क्यूआरटी को भी लगाया गया है।

दरभंगा में कलश यात्रा पर पथराव, होली से था विवाद

दरभंगा। में रविवार को दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना कर लौट रहे श्रद्धालुओं पर पथराव किया गया। इस घटना में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 45 नामजद आरोपियों के खिलाफ BNS की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस की माने तो ये पूरा विवाद मुर्गी को डंडे से मारने के बाद बढ़ा। इधर, पूर्व मुखिया ने बताया कि होली के दिन से इस विवाद की शुरूआत हुई थी। उस दिन भी दूसरे समुदाय के लोगों ने हमला किया था। घटना जिले के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र का है।केवटगामा पंचायत

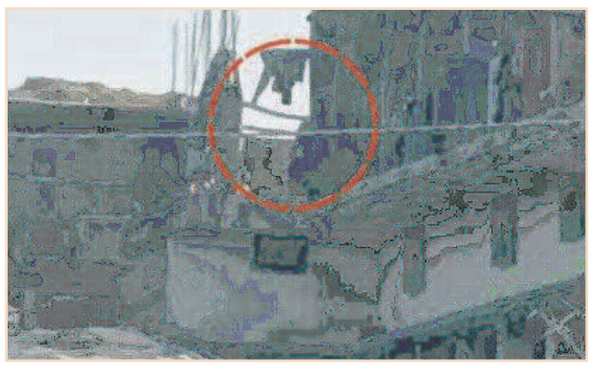

के पूर्व मुखिया आलोक कुमार उर्फ विकास कुमार ने बताया, 'गांव में होली के दिन से ही विवाद चल रहा है। होली के दिन समुदाय विशेष की ओर से हमला किया गया था, जिसमें 5 से 6 लोग घायल हो गए थे। थाने में आरोपियों को पीआर बॉन्ड भरवाकर छोड़ दिया गया था।''रविवार को चैती नवरात्र को लेकर कलश यात्रा निकली थी। इस यात्रा के बाद श्रद्धालु लौट रहे थे, इसी दौरान एक विशेष समुदाय के लोगों की ओर से कलश यात्रा पर पथराव कर दिया गया। फिलहाल पुलिस प्रशासन की तत्परता से गांव में शांति है।'पड़ताल में सामने आया कि पछियारी गांव स्थित दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के बाद श्रद्धालु लौट रहे थे। इसी दौरान मोहम्मद अलाउद्दीन के घर की छत से पथराव होने लगी। मोहम्मद अलाउद्दीन के छत पर कुछ और लोग भी जमा थे।अचानक हुए इस हमले से श्रद्धालु घबरा गए।

जिंदा जली महिला:जलावन में लगे आग को बुझाने के दौरान हुआ हादसा

भागलपुर। में अगलगी में काबो कुमारी (20) जिंदा जल गई। घटना नवगछिया के इस्माइलपुर की है, जहां काबो जलावन में लगे आग को बुझाने गई थी। इस दौरान वह आग की लपटों से घिर गई। मृतका की पहचान भागलपुर नवगछिया इस्माइलपुर के हटिया के पास के रहने वाले अनिल कुमार की बेटी के रूप में हुई है, काबो शादीशुदा थी उसको एक बच्चा भी था। काबो अपने पिता अनिल कुमार के घर कुछ दिनों के लिए आई हुई थी।सदमे में है परिवार घटना रविवार देर रात करीब 2 बजे की है, जहां रात में गांव में आग लगने को लेकर शोर-शराबा शुरू

हुआ, तभी काबो अपने घर से निकली। उसने देखा कि उसके जलावन में आग लगी हुई है। काबो ने आग बुझाने की कोशिश की। इसी दौरान वह बुरी तरह झुलस गई । काबो का ससुराल कुसेर्ला में है। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

विधवा महिला की पेड़ से बांधकर पिटाई

मुजफ्फरपुर। में भैसुर, सास और जेठानी पर विधवा महिला को पेड़ से बांधकर पिटने का आरोप लगा है। घटना रविवार रात की है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पीड़िता अमरूद के पेड़ से बंधी दिख रही है।दरअसल, समस्तीपुर जिले के विद्यापति थाना क्षेत्र की रहनी वाली पिंकी की शादी 2012 में सकरा थाना क्षेत्र के रहने वाले प्रमोद से हुई थी। दोनों के दो बेटे हैं। 2020 में प्रमोद की किडनी फेल होने के कारण मौत हो गई। इसके बाद से पिंकी के ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे। मारपीट से तंग होकर दो बार जा चुकी है मायके पिंकी ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। पिंकी का भाई नीतीश 2021 के सितंबर महीने में उसको घर ले गया। 2023 के मार्च

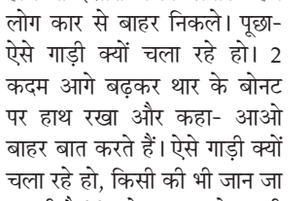

में ससुराल वालों से बातचीत के बाद पिंकी फिर अपने ससुराल गई। इसके बाद पिंकी के भैसुर सुबोध राय, सास तेतरी देवी और जेठानी बेबी देवी छोटी-छोटी बात पर पिंकी को प्रताड़ित करने लगे। उसके साथ मारपीट की जाती थी। पिंकी तंग आकर फिर अपने मायके चली गई। दिसंबर 2024 में पिंकी फिर अपने ससुराल आई। सब ठीक चल रहा था, लेकिन पिछले एक महीने से उसके ससुराल वाले पिंकी को फिर प्रताड़ित करने लगे। रविवार रात तीनों ने मिलकर पिंकी को अमरूद के पेड़ से बांध दिया।

डायबिटीज पर राज्यस्तरीय सम्मेलन, जुटे विशेषज्ञ

औरंगाबाद। में डायबिटीज के उपचार और नियंत्रण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का समापन हुआ। MLS कॉलेज ऑफ फामेर्सी के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में 300 डायबिटीज विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडीज ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के बिहार चैप्टर द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में विशेषज्ञ चिकित्सकों को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।जागरूकता अभियान तेज करना जरूरी बिहार चैप्टर के अध्यक्ष डॉ सुप्रियो मुखर्जी ने कहा कि डायबिटीज पर नियंत्रण के लिए चिकित्सकों, समाजसेवियों और सरकार को मिलकर काम करना

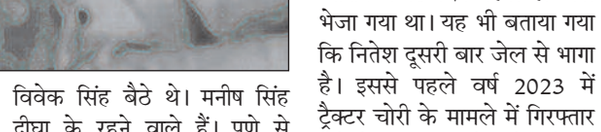

होगा। उन्होंने बताया कि संयमित खान-पान और नियमित जीवन शैली से डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सकता है। आयोजन सचिव डॉ बी के सिंह ने कहा कि डायबिटीज के नियंत्रण और बचाव के लिए जागरूकता अभियान तेज करना जरूरी है। सम्मेलन से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं, जो भविष्य में डायबिटीज नियंत्रण में मददगार साबित होंगे। निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. शैवाल गुप्ता ने इस सम्मेलन को बिहार के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि डायबिटीज जैसी बीमारी की जागरूकता और इसके तकनीकी, चिकित्सकीय पहलुओं पर विचार-विमर्श के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण है।उपाध्यक्ष डॉ सुभाष कुमार ने कहा कि इस सेमिनार में डॉक्टरों के विचार विमर्श एवं सुझावों से जो तथ्य सामने आए हैं वह निश्चित ही जनस्वास्थ्य के लिए लाभदायक होंगे। सचिव डॉ विजय कुमार ने डायबिटीज की रोकथाम, दवा और इंसुलिन की मात्रा घटाने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि डायबिटीज वालों के खून में शुगर ज्यादा होती है जिससे कीटाणु बढ़ जाते हैं। इससे शरीर का सुरक्षा तंत्र कमजोर हो जाता है और वह अन्य रोगों से लड़ने की क्षमता घटा देता है। डायबिटीज के उपचार में भोजन और जीवन शैली में तालमेल बढ़ाने की जरूरत हैं। गौरतलब है कि कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में आरएसएसडीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनुज माहेश्वरी , डॉ ए एन रॉय, डॉ एस. बी. प्रसाद, डॉ. रवि रंजन, डॉ. शोभा रानी, डॉ ओमप्रकाश, डॉ अजय कुमार, डॉ सुप्रियो मुखर्जी, डॉ विजय कुमार,

पटना में थार से युवक को 40 मीटर घसीटा

पटना। के पॉश इलाके अठ पथ गली में तेज रफ्तार थार ने कार सवार युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवकों ने थार सवार को कुछ कहा तो उसने गाड़ी बैक कर के उसके ऊपर चढ़ाने की कोशिश की।इस दौरान थार सवार ने युवक को गाड़ी की बोनट पर 40 मीटर तक घसीटा। इसमें उसकी पीठ और हाथ की चमड़ी उधड़ गई। युवक के सिर और पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। उसके पैर की हड्डियां भी टूट गईं। वहीं, युवक के साथ गाड़ी में मौजूद 3 दोस्तों ने जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचाई। मामला 26 मार्च की रात का है। 5 दिन बाद पुलिस ने सोमवार को इस मामले में केस दर्ज किया है।घटना के वक्त कार में मनीष सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने बताया, 'हम दोस्तों के साथ बोरिंग रोड चौराहे से अपनी कार से AG कॉलोनी की ओर जा रहे थे।' 'AN पथ पर सामने से तेज रफ्तार थार गाड़ी आ रही थी। थार की स्पीड देखकर हमने अपनी गाड़ी की रफ्तार कम कर दी। उसने मेरी गाड़ी में सटाकर थार रोकी। लाइट दिखाने लगा। हाथ से इशारा करने लगा।' 'हम लोग कार से बाहर निकले। पूछा- ऐसे गाड़ी क्यों चला रहे हो। 2 कदम आगे बढ़कर थार के बोनट पर हाथ रखा और कहा- आओ बाहर बात करते हैं। ऐसे गाड़ी क्यों चला रहे हो, किसी की भी जान जा सकती है।' 'इसके बाद उसने अपनी गाड़ी की हेड लाइट ऑफ की। गाड़ी को रिवर्स किया और मेरे दोस्त विवेक पर चढ़ा दी। मैंने भागकर अपनी जान बचाई। 'दो दोस्त साइड में खड़े थे। वो थार से विवेक को 40 मीटर तक घसीटकर ले गया। उसकी हालत अभी बहुत खराब है। हॉस्पिटल में एडमिट

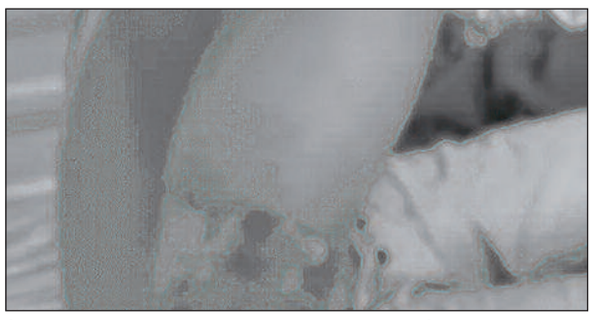

है।'मनीष ने बताया, 'घटना के बाद हम सीधे पुलिस स्टेशन पहुंचे, लेकिन पुलिस ने हमारी शिकायत दर्ज नहीं की। हमें थाने से लौटा दिया। जब मामला अधिकारियों के संज्ञान में आया तो रविवार को पुलिस ने बयान दर्ज किया है। अब उम्मीद है कि पुलिस उस थार वाले के खिलाफ कार्रवाई करेगी।' छुट्टी पर मिलने के लिए आए थे दोस्त कार में चार दोस्त मनीष सिंह, ऋषभ सिंह, सुमित सिंह और विवेक सिंह बैठे थे। मनीष सिंह दीघा के रहने वाले हैं। पुणे से MBA कर रहे हैं। ऋषभ सिंह गोवा के होटल में शेफ हैं। वे पटना कुर्जी के रहने वाले हैं। सुमित सिंह का AG कॉलोनी में घर है। विवेक कुमार सिंह AG कॉलोनी में रेंट पर रहते हैं। वे सहरसा के रहने वाले हैं। विवेक पटना में अपना पानी का बिजनेस शुरू करने वाले हैं। छुट्टी पर दो दोस्त पुणे और गोवा से आए थे।

छपरा जेल से दूसरी बार फरार हुआ कैदी

छपरा। जेल से शनिवार की रात एक कैदी फरार हो गया, जिसकी सूचना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। फरार कैदी की पहचान सिवान जिले के गोरियाकोठी निवासी नितेश कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि नितेश को चोरी और छिनतई के आरोप में 15 दिन पहले ही जेल भेजा गया था। यह भी बताया गया कि नितेश दूसरी बार जेल से भागा है। इससे पहले वर्ष 2023 में ट्रैक्टर चोरी के मामले में गिरफ्तार होने के बाद वह जेल गेट से ही भाग गया था। उस वक्त पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। 18 अप्रैल को भगवान बाजार थाना पुलिस ने उसे फिर पकड़ा।घटना के बाद जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेल में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। शनिवार की रात नितेश ने इसी

कमजोर सुरक्षा का फायदा उठाया और दीवार फांदकर फरार हो गया।
स्थानीय पुलिस और जेल पुलिस की टीम नितेश की तलाश में जुटी है। उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। जेल अधीक्षक ने भगवान बाजार थाने में नई प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस और जेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

शाह बोले-लालू को लाज नहीं, गाय का चारा खा गए

गोपालगंज। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिनों के बिहार दौरे पर हैं। गोपालगंज में जनसभा को संबोधित करते उन्होंने हुए कहा, 'बिहार को तय करना है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की ओर जाना है या मोदी-नीतीश के विकास की राह पर जाना है। अपने 20 मिनट के भाषण में शाह ने लालू यादव और कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने कहा, 'जो काम कांग्रेस पार्टी 65 साल में नहीं कर पाई, वो मोदी सरकार ने 10 साल में किया है। NDA की पांच साल और सरकार बनाइए।' शाह ने दावा किया कि 'अगर हमारी फिर से सरकार बनती है तो हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करा देंगे। बंद चीनी

मिलों को फिर से शुरू करेंगे।' केंद्र में मंत्री रहते लालू यादव ने बिहार के लिए क्या किया लालू एंड कंपनी ने बहुत अड़ंगे लगाए, लेकिन मोदी ने 500 साल बाद राम मंदिर बनवाया। अब बिहार में माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा। शाह ने छठ पूजा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में हमारी सरकार है। वहां छठ पूजा धूमधाम से मनाई गई। मोदी सरकार ने शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से नवाजा। 'वैशाली महोत्सव की शुरूआत हमने की। मोदी जी ने मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग दिलवाया। हमने मखाना बोर्ड बनाकर किसानों की मदद की।'शाह ने कहा- 'हमने 1 करोड़ 60 लाख घरों में जल पहुंचाया। डेढ़ करोड़ टॉयलेट बनाए। 9 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किलो राशन दिया। 40 लाख घर बनाएं। लालू राज ने क्या दिया- अपहरण, फिरौती, हत्या। इतने घोटाले किए, इन्हें शर्म नहीं आती। अलकतरा घोटाला, मिट्टी घोटाला। गो-माता का चारा भी लालू जी ने खाया।' 'लालू जी ने बस एक ही काम किया, अपने परिवार को सेट करने का। उनके दोनों बेटे सीएम बनना चाहते हैं। बेटी को सांसद बनाया। पत्नी पूर्व सीएम हैं। दोनों साले भी मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने युवाओं को सेट करने का काम नहीं किया।' इससे पहले रविवार सुबह पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां शाह ने कहा कि, 'बीते 10 साल में मोदी सरकार ने देश के 60 करोड़ गरीब के लिए काम किया। मैं लालू जी से पूछता हूं कि आपने गरीबों के लिए कुछ किया हो तो खाका लेकर आइए।' अपने 20 मिनट के भाषण में शाह ने ये भी कहा कि 'लालू यादव ने गरीबों ने कुछ नहीं किया। मोदी जी ने गरीबों की मदद के लिए सहकारिता क्षेत्र में काम किया। सहकारिता क्षेत्र का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला हैं। 'लालू यादव के शासन में विकास चौपट हुआ। चीनी मिले बंद हुईं। मैं जनता से कहने आया हूं कि फिर से एनडीए की सरकार बनाइए, हम चीनी मिलों को फिर से शुरू करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह के सामने नीतीश कुमार ने कहा- '2 बार मुझसे गलती हो गई थी। अब ये कभी नहीं होगा। अटल जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था, ये मैं कैसे भूल सकता हूं। 'पहले क्या स्थिति थी आप जानते ही हैं। शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़े होते थे। उन लोगों की ओर से कोई काम नहीं होता था। पढ़ाई का हाल भी बेकार था। बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। इलाज का इंतजाम भी नहीं था। उन लोगों ने कोई व्यवस्था नहीं की थी। याद रखिएगा, पहले के लोगों ने काम नहीं किया है। इसलिए सब साथ रहिए।' 'बिहार के विकास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार के अपने प्रयासों से बिहार का विकास हो रहा है।'
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए।

संक्षिप्त डायरी

तालाब में डूबने से दो बच्चे की मौत

औरंगाबाद। के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नेहुटी गांव में तालाब में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों में प्रमोद प्रसाद गुप्ता के 7 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार और विनोद प्रसाद गुप्ता के 5 वर्षीय पुत्र राजकुमार शामिल हैं। सोमवार को दोनों बच्चे गांव की पानी टंकी के पास स्थित पोखर के किनारे खेल रहे थे। जानकारी के अनुसार, खेलते समय अचानक प्रिंस का पैर फिसल गया और वह पोखर में गिर गया। पानी अधिक होने के कारण वह डूबने लगा और चीखने लगा। अपने भाई को बचाने के लिए राजकुमार ने भी पोखर में छलांग लगा दी, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने बच्चों की खोजबीन शुरू की। खोज के दौरान पोखर में प्रिंस का शव तैरता हुआ दिखा। ग्रामीणों ने पोखर में छलांग लगाकर राजकुमार के शव को भी ढूंढ निकाला। परिजन तुरंत दोनों को सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों में कोहराम मच गया। नगर थाना पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। जानकारी के अनुसार, प्रिंस और राजकुमार दोनों अपने तीन-तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।घटना की सूचना मिलते ही जिला पार्षद अनिल यादव, पंचायत समिति प्रतिनिधि दिलीप प्रसाद गुप्ता, पूर्व वार्ड पार्षद विजय मेहता, नौगढ़ मुखिया पंकज यादव सहित अन्य लोग सदर अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी। जिला पार्षद अनिल यादव ने कहा कि मृतक परिवार बेहद गरीब है और उन्होंने प्रशासन से आपदा राहत के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि पोखर में डूबने से दो मासूमों की मौत हुई है। फिलहाल नगर थाना पुलिस द्वारा दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भागलपुर में बना विश्व का सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट

भागलपुर। के लाजपत पार्क मैदान में 100 बाय 60 फीट का मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम का विशाल सैंड पोर्ट्रेट आर्ट बनाया गया, जिसे विश्व का सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट माना जा रहा है। यह भव्य कलाकृति रामनवमी के उपलक्ष्य में रविवार को बनाई गई है। 30 मार्च, रविवार की संध्या में इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भव्य आरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भंडारा और स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुई, और पूरे लाजपत पार्क मैदान में जय श्री राम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। इससे पहले, 5 लाख रंग-बिरंगे दीपकों से श्री राम का चित्र उकेर कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया गया था। इस बार भी भारतीय नव वर्ष आयोजन समिति द्वारा 30 और 31 मार्च को लाजपत पार्क मैदान में भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 1 लाख से अधिक दीपकों से आरती की गई। भागलपुर बरारी के प्रसिद्ध कलाकार अनिल कुमार और उनकी टीम ने इस भव्य कलाकृति को बनाने में चार दिनों की कड़ी मेहनत की। उनकी टीम में झिलिक सरकार, शानु कुमार, सागर कुमार, महानंद कुमार और नीतीश कुमार शामिल थे। इस कलाकृति को अर्थ कलर और बालू मिलाकर बनाया गया है, जिससे यह और अधिक आकर्षक दिख रही है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में भारतीय नव वर्ष आयोजन समिति, भागलपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर अरिजीत शाश्वत चौबे, कार्यक्रम मंडल के सदस्य चंदन ठाकुर, गौतम चौबे, नीतेश चौबे, नितिन भूवानका, संरक्षक रामनाथ पासवान, सुधीर चौधरी, देवन पांडे, संजय हरि, चंदन शाह, दिनेश मंडल सहित दर्जनों कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सैंड पोर्ट्रेट और दीप आरती बना आकर्षण का केंद्र 100/60 फीट में बनाई गई इस भव्य कलाकृति को लाखों दीपकों से सजाया गया, जिससे इसका सौंदर्य और अधिक बढ़ गया। शाम होते ही जब शहरवासियों ने अपने घरों से दीपक लाकर मैदान को जगमग कर दिया, तो माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद श्री राम की भव्य आरती की गई, जिसने एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। कलाकार अनिल कुमार ने बताया कि इससे पहले भी भागलपुर में कई वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए हैं, लेकिन इस बार फिर भागलपुर ने सैंड पोर्ट्रेट आर्ट में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि यह भागलपुरवासियों के लिए गर्व की बात है कि इस बार 100/60 फीट में बनी श्री राम की यह कलाकृति विश्व में सबसे बड़ा सैंड पोर्ट्रेट आर्ट बन गया है। इस कलाकृति के चारों ओर लाखों दीपक लगाए गए हैं, जिससे यह और भी दिव्य लग रही है। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर अरिजीत शाश्वत चौबे ने कहा कि इससे पहले भी हम लोगों ने अंग जनपद के लिए रिकॉर्ड बनाए हैं, और इस बार फिर भागलपुर ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 1 लाख दीपकों से श्री राम की सैंड पोर्ट्रेट आर्ट बनाकर और भव्य आरती कर एक ऐतिहासिक क्षण रचा गया है।

4 लाख के गहने और 25 हजार नगदी पार

जहानाबाद। के घोसी बाजार में एक शिक्षक के बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया है। रविवार की रात चोरों ने घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर करीब चार लाख रुपए के जेवरात और 25 हजार नगदी लेकर फरार हो गए। सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना पीड़ित शिक्षक संजय कुमार ने बताया कि वह छठ पूजा के लिए 28 तारीख को अपने गांव बेलई गए थे। वह रोज घोसी बाजार स्थित अपने मकान का जायजा लेने आते थे।

रविवार शाम को भी वह घर देखकर गए थे। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने सूचना दी कि उनके घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही शिक्षक फौरन मौके पर पहुंचे। 4 लाख के गहने और नकदी चोरी संजय कुमार ने देखा कि घर का गोदरेज और अन्य बक्सों के ताले टूटे हुए थे। चोर झुमका, सिकड़ी, हनुमान जी का लॉकेट, दुर्गा जी का लॉकेट समेत अन्य जेवरात और 25 हजार नगद चोरी कर ले गए। बाजार के लोगों में चोरों की दहशत घटना से बाजार के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना महज 200 मीटर की दूरी पर है। फिर भी इतनी बड़ी वारदात हो गई और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। इससे पहले भी कई दुकानों में चोरी हो चुकी है, लेकिन पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है।
लोगों का मानना है कि चोरों का गिरोह पहले बंद घरों की रेकी करता है और फिर वारदात को अंजाम देता है।

पीएम के देश को मेडिकल हब बनाने के विजन के तहत हरियाणा सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज कर रही स्थापित - नायब सिंह सैनी

राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए रखा है 10,159 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा आने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का स्वागत करते हुए कहा कि समाजवाद, राष्ट्रीय एकता, अहिंसा और मानव सेवा की प्रतिमूर्ति महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। साथ ही मेडिकल कॉलेज में नवनिर्मित आई.सी. यू. का उद्घाटन और पी. जी. छात्रावास का शिलान्यास भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को मेडिकल हब बनाने का विजन रखा है। इसे साकार करने के लिए पर्याप्त डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ का उपलब्ध होना जरूरी है।

इसलिए हरियाणा सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। इस समय प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 15 हो गई है। इनमें से 9 मेडिकल कॉलेज हमारे कार्यकाल में खुले हैं तथा 9 निमार्णाधीन हैं।

इनके अलावा, बाढ़सा, जिला झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान खोला गया है। माजरा, जिला रेवाड़ी में एम्स भी स्थापित किया जा रहा है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हुए इस पावन धाम पर मानव सेवा के कई प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। इनमें महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज पिछले 36 वर्षों से रोगियों की सेवा कर रहा है। इस समय यहां पर एम.बी.बी.एस. की 100 सीटें तथा पी. जी. की 85 सीटें हैं।

उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी एक महान विभूति थे।

उन्होंने हजारों साल पहले यहीं अग्रोहा की अपनी वैभवशाली राजधानी से पूरे संसार को लोकतंत्र, आपसी प्रेम और अहिंसा का संदेश दिया था। उनका गणतंत्र दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र भारत की नींव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महाराजा अग्रसेन जी की शिक्षाओं और सिद्धांतों की याद बनाये रखने के लिए हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर रखा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने अग्रोहा के पुरातात्विक स्थल की खुदाई की मंजूरी दी थी, जिसका एक सप्ताह पहले 25 मार्च को शुभारंभ किया गया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः है। हम हैल्दी इण्डिया बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'फिट इण्डिया मूवमेंट' को सफल बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में वर्ष 2025-26 का राज्य बजट प्रस्तुत किया है। इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 9,391 करोड़ रुपये के बजट को बढ़ाकर 10,159 करोड़ रुपये किया गया है।

इसके अलावा कई नई पहल भी की हैं, जिनमें अगले वित्त वर्ष में पंचकूला, पानीपत, फरीदाबाद, सोनीपत, पलवल, सिरसा, कैथल, महेन्द्रगढ़ के जिला अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज, नूंह में अति आधुनिक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सभी जिला अस्पतालों में आधुनिक सेवाओं तथा आधुनिकतम उपकरण जैसे सिटी स्कैन, एम. आर. आई., अल्ट्रासाउन्ड, ब्लड एनालाइजर और डिजीटल एक्सरे उपलब्ध करवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा शिक्षा के प्रसार और जन-जन को अच्छी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध हैं।

इस काम में महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज वर्षों से महान सेवाएं प्रदान कर रहा है।

मैं खुद सरकार हूं, अब किसी से कोई शिकायत नहीं, क्या अनिल विज की दूर हो गई नाराजगी?

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। प्रदेश सरकार के बिजली मंत्री मंत्री अनिल विज ने सरकार के साथ नाराजगी को दूर करते हुए कहा कि मैं खुद सरकार हूं। कहा कि मंत्री तो खुद ही सरकार होता है। इसलिए उन्हें किसी से कोई शिकवा-शिकायत नहीं है। रोहतक से अंबाला जाते समय कुछ देर के लिए कर्ण लेक पर रुके थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में गन कल्चर पर कहा कि इस तरह के गानों से समाज में विकार आ रहे हैं। गानों में हथियारों का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की चचाओं पर उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व का मामला है, वह इस पर बोलने को अधिकृत नहीं हैं। राबर्ट वाड्रा ने बयान दिया कि ईडी उन्हें तंग कर रही है, इस बयान पर विज ने कहा कि कुछ तो गलत हुआ है, तभी तो ईडी जांच कर रही है। ईडी गलत काम करने वालों की ही जांच करती है। राहुल गांधी के कुंभ में नहीं जाने पर वाड्रा द्वारा दिए बयान पर कहा कि कुंभ में सभी मुख्यमंत्री गए, प्रधानमंत्री भी गए। राहुल गांधी खुद को इनसे भी ऊपर मानते हैं। हरियाणा कांग्रेस का संगठन न बनने पर भी दिया बयान कांग्रेस का प्रदेश स्तर पर संगठन नहीं बनने पर कहा कि संगठन बनाने के लिए एक से अधिक व्यक्ति का होना जरूरी होता है। जो कांग्रेस में नहीं है। कांग्रेस में ऊपर से नीचे तक एक ही नेता है। वो राहुल गांधी हैं। कांग्रेस द्वारा नेता प्रतिपक्ष नहीं चुने जाने पर कहा कि पार्टी निर्णय लेने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वजह से ही नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि वह फिर से रोडवेज बस मे सफर करने का अभियान जारी रखेंगे। वह अपने स्तर पर विभागीय गतिविधियों की मानिटरिंग कर रहे हैं। गांवों में सोलर पावर हाउस के चलाएंगे पायलट प्रोजेक्ट बिजली मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार यमुनानगर मे 800 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाने जा रही है। खेदड में भी एक और प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है। बिजली की खपत बढ़ी है। इसलिए बिजली का उत्पादन बढ़ा रहे हैं। अनिल विज ने कहा कि लोगों को दिक्कत नहीं हो, इसलिए बाहर से बिजली खरीदनी पड़ती है। यह बिजली महंगी पड़ती है। उन्होंने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की बात करते हुए कि इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा। इसके लिए कुछ गांवों का चयन कर लिया गया है। इन गांवों में सोलर पावर हाउस स्थापित किए जाएंगे

पंजाब सरकार ने 80 लाख रुपये की ग्रांट जारी की

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। पंजाब सरकार ने युवाओं को कुशल और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एन.जी.ओज (गैर-सरकारी संस्थाओं) को 80 लाख रुपये की वित्तीय सहायता जारी की है। इस संबंध में जानकारी सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी। मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि राज्य के विभिन्न ज़िलों में एन.जी.ओज के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को कटिंग-टेलरिंग, फैशन डिजाइनिंग, कंप्यूटर, टैली ट्रेनिंग और ब्यूटी थेरेपिस्ट ट्रेनिंग जैसे कोर्सों के जरिए स्वरोजगार के योग्य बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि श्री मुक्तसर साहिब ज़िले की चार गैर-सरकारी संस्थाओं को कटिंग एंड टेलरिंग, फैशन डिजाइनिंग और कंप्यूटर ट्रेनिंग प्रोजेक्ट्स के लिए 40 लाख रुपये जारी करने की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, संगरूर ज़िले की एक संस्था को कटिंग एंड टेलरिंग कोर्स के लिए 10 लाख रुपये की राशि जारी की गई है।कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि बठिंडा ज़िले की तीन गैर-सरकारी संस्थाओं को इन कोर्सों के लिए 30 लाख रुपये जारी किए गए हैं, ताकि इन ज़िलों के युवा अपनी आजीविका कमाने में सक्षम हो सकें। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार सामाजिक विकास और युवाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

हरियाणावासियों को लग सकता है बड़ा झटका, कल से महंगी होगी बिजली!

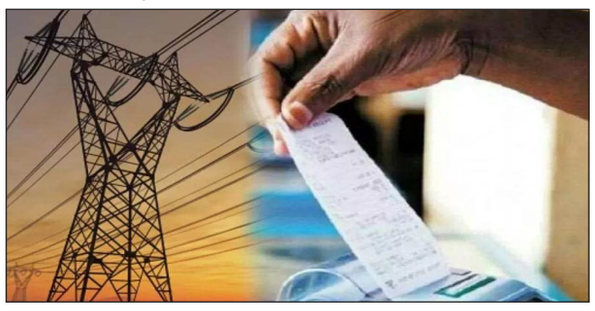

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणावासियों को बड़ा झटका लग सकता है। बताया जा रहा है कि कल से प्रदेश में बिजली महंगी हो सकती है। इसकी वजह प्रदेश की उत्तर और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम का 4,520 करोड़ रुपए के घाटे को बताया जा रहा है। इस घाटे के चलते हरियाणा बिजली विनियामक आयोग ने नए वित्तीय वर्ष में बिजली की दरों में बढ़ोतरी की अनुमति मांगी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार भी बिजली निगमों को बिजली टैरिफ में बढ़ोतरी की अनुमति दे सकती है।बता दें कि हरियाणा में बिजली की दरें एक अप्रैल से लागू होती हैं। दो साल से बिजली की दरों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। अंतिम बार वर्ष 2022-23 में 150 यूनिट तक के लिए 25 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाए गए थे। वर्तमान में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में 12.37 प्रतिशत और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम का में 9.15 प्रतिशत लाइन लास है।बताया जा रहा है कि सरकार ने एफएसए को साल 2026 तक पहले ही बढ़ा दिया है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट बिजली बिल के हिसाब से 47 पैसे ज्यादा एफएसए देना होगा। जबकि 200 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत पर 94.47 रुपए ज्यादा का भुगतान करना होगा। इस फैसले का कारण बिजली निगमों पर बढ़ रहे डिफाल्टिंग अमाउंट को बताया जा रहा है।

पंचकुला के पंचकमल से चलेगी भाजपा की सियासत, रोहतक से शिफ्ट होगा पार्टी मुख्यालय, क्या हैं मायने

हरियाणा। में भाजपा की राजनीति अब पंचकूला के पंचकमल से चलेगी। पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर भाजपा का मुख्यालय रोहतक से पंचकूला में शिफ्ट होगा। शीर्ष नेतृत्व ने हरियाणा भाजपा को इसकी मंजूरी भी दे दी है। यह बदलाव छह अप्रैल से होगा। पार्टी का मानना है कि पंचकूला दफ्तर को मुख्यालय के तौर पर ही डिजाइन किया गया था। चंडीगढ़ के नजदीक होने के कारण पार्टी कार्यालय की उपयोगिता ज्यादा होगी। मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के लिए भी पंचकूला आना ज्यादा आसान होता है। क्योंकि वे चंडीगढ़ में ही मौजूद रहते हैं। भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। भाजपा का दफ्तर रोहतक में भी मौजूद रहेगा। पार्टी इसका इस्तेमाल ट्रेनिंग स्कूल में करेगी यहां पर पार्टी कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। पार्टी के बड़े नेताओं के दफ्तर वहां भी मौजूद रहेंगे। हालांकि पार्टी इस दफ्तर की उपयोगिता से इंकार नहीं कर रही है। भाजपा का कहना है कि रोहतक दफ्तर मंगल कमल से पार्टी ने लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीते हैं। इस लिए भाजपा के बड़े नेताओं का रोहतक दफ्तर में आना लगा रहेगा।

जेल से रिहा करवा दूंगा, हरियाणा में जेल मे बंद पति को छुड़ाने का झांसा देकर किया रेप

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। के फतेहाबाद जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सदर थाना के अंतर्गत आने वाले एक गांव की महिला ने पुलिस को शिकायत देकर रतिया क्षेत्र के एक गांव के युवक प जेल में बंद उसके पति को छुड़वाने की एवज में गलत संबंध बनाने और पंजाब क्षेत्र के झनीर के एक होटल में दुष्कर्म करने का संगीन आरोप लगाया है। सदर थाना प्रभारी राजबीर सिंह ने महिला पुलिस अधिकारी प्रियंका को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए जीरो एफआईआर कर संबंधित पंजाब क्षेत्र के थाने को आगामी कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी है। महिला ने पुलिस को शिकायत देते बताया कि उसका पति सितंबर 2023 में एक्सीडेंट केस में पंजाब क्षेत्र की जेल गए हुए थे। इसके बाद उसके पति के करीबी मित्र ने दिसंबर 2023 में उसके मोबाइल फोन पर वॉट्सऐप कॉल करने लगा और कहने लगा कि वह उसके पति को जेल से रिहा करवा देगा। इस संदर्भ में उसके साथ संबंध बना ले। महिला ने बताया कि उसकी युवक के साथ बातचीत होने लगी। आरोप है कि वह उसे पंजाब क्षेत्र के झनीर के एक होटल के कमरे में ले गया और उसके साथ संबंध बनाए। महिला ने पुलिस को बताया कि अगस्त 2024 में उसका पति जेल से बाहर आ गया था, इसके पश्चात उसने उक्त युवक से मिलना बंद कर दिया था। युवक उसका पति का दोस्त होने के कारण घर आने लगा और इस दौरान भी उसने संबंध बनाने के लिए दबाव डालने लगा। महिला ने पुलिस को बताया कि गत

17 व 18 मार्च को उक्त युवक के भाई ने उसके पति के फोन पर सारी कॉल डिटेल भेज दी, जिसके पश्चात उसके पति उसके साथ मारपीट कर बाहर निकाल दिया। वहीं, हि। शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेड़ कटने का किस्सा न होता, अगर कुल्हाड़ी के पीछे, फिर छलका सुनीता दुग्गल का हार का दर्द

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिले की रतिया विधानसभा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुकी पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल का हार का दर्द एक बार फिर छलका है। रतिया क्षेत्र में नए जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा के अभिनंदन समारोह में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सुनीता दुग्गल ने कुल्हाड़ी की कहावत सुनाते हुए अपना दर्द सुनाया। दुग्गल ने कहा कि पेड़ कटने का किस्सा न होता, अगर कुल्हाड़ी के पीछे लकड़ी का हिस्सा न होता। वहीं भाजपा में रहकर ही उनकी खिलाफत करने वालों पर भड़ास निकाली।

सुनीता दुग्गल ने कहा कि कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के वर्कर हैं, उनकी जहां इच्छा है, वहां वोट दें। लेकिन जो अपने अंदर रहकर पार्टी को काटने का काम करते हैं। उनके लिए जितने भी खराब शब्द बोले जा सकें, बोलने चाहिए। पार्टी में दिल नहीं लगता, तो जा सकते थे।मगर पार्टी के अंदर रहकर कुछ लोगों ने धोखा किया। कांग्रेस की सत्ता आने की सोचकर उनकी तरफ काम किया। रतिया विधानसभा सीट से मिली थी हार सिरसा से 2019 में लोकसभा सांसद चुनी गई सुनीता दुग्गल की मई 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में सिरसा से टिकट कट गई थी। बाद में भाजपा ने उन्हें अक्टूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में रतिया सीट से उम्मीदवार बनाया। यहां कांग्रेस के जरनैल सिंह से उनका मुकाबला हुआ। जरनैल सिंह

राज्य सरकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा पेश किए गए वक़्फ संशोधन बिल का कड़ा विरोध करेगी : सीएम भगवंत सिंह

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा पेश किए गए वक़्फ संशोधन बिल का कड़ा विरोध करेगी।ईद के पवित्र त्योहार के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम समुदाय इस बिल का जोरदार विरोध कर रहा है और आम आदमी पार्टी इस कठिन समय में समुदाय के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के हितों की रक्षा के लिए पार्टी संसद और विधानसभा, दोनों में इस बिल का पुरजोर विरोध करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए हर संभव कदम उठाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में भूजल के संतुलित उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद से अब तक 15,947 रजवाहो को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे दूर-दराज के गांवों तक भी पानी पहुंच सका है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास भूजल के संरक्षण के लिए है और किसानों को उनकी सिंचाई जरूरतों के लिए नहरी पानी उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के प्रयासों को लेकर स्थानीय ईदगाह में नमाज के दौरान मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की कि लोग ह्ययुद्ध नशों विरुद्धह्व मुहिम को बड़े स्तर पर समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय की जरूरत है, क्योंकि नशे के खिलाफ लड़ाई को लोगों के सक्रिय सहयोग से ही जीता जा सकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की सुविधा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है और इसी दिशा में राज्य की सभी सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सड़कें न केवल यात्रियों के लिए सहूलियत बढ़ाती हैं, बल्कि सामान और सेवाओं की आसान उपलब्धता भी सुनिश्चित करती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेहतर सड़कें राज्य के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देती हैं। इस दौरान स्थानीय ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब के मुस्लिम भाइयों को ईद के बड़े तोहफे के रूप में ऐतिहासिक कस्बे मलेरकोटला के समग्र विकास के लिए 200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा की। भगवंत सिंह मान ने सभी को इस पवित्र त्योहार की बधाई दी और कहा कि यह रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति को दशार्ता है, जो दान और उदारता की भावना को सशक्त करता है और लोगों में सहानुभूति बढ़ाता है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह पावन दिन भाईचारे और शांति के बंधनों को और मजबूत करेगा, जो हमारे महान गुरुओं, संतों और पीरों द्वारा प्रचारित महान मानवीय मूल्यों को दशार्ता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह त्योहार आपसी सद्भाव को बढ़ाता है और हमें प्रेम, दोस्ती और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से जाति, धर्म, रंग और

नस्ल से ऊपर उठकर इस खुशी के त्योहार को पूरे जोश और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ऐतिहासिक शहर मलेरकोटला का विकास करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसे ह्यमॉडल ज़िलाह्व के रूप में विकसित किया जाएगा। मलेरकोटला के निवासियों के लिए बड़ी परियोजनाओं की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां जल्द ही 100 सीटों वाला मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा, जिससे यह ज़िला मेडिकल शिक्षा का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ मलेरकोटला में 200 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भी स्थापित किया जाएगा, जिससे लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। भगवंत सिंह मान ने यह भी बताया कि यहां पहले से मौजूद महिला कॉलेज को शैक्षिक सुविधाओं के स्तर को सुधारने के लिए अपग्रेड किया जाएगा।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उतेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

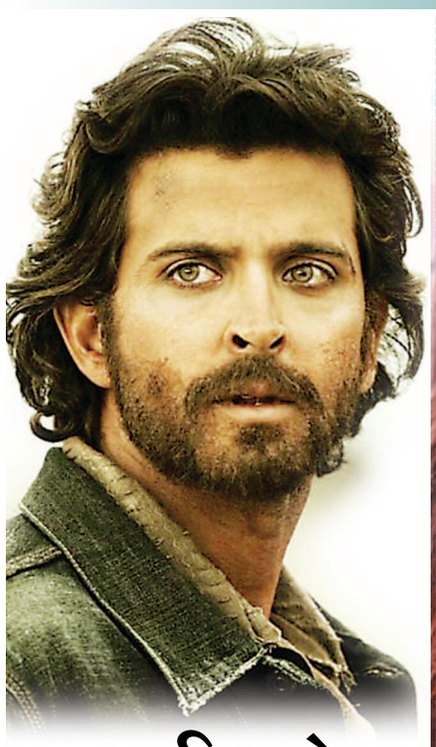

खुद ऋतिक रोशन ही डायरेक्ट करेंगे कृष 4

अभिनय के क्षेत्र में अपना दमखम दिखाने के बाद अभिनेता ऋतिक रोशन 'कृष 4' से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने जा रहे हैं। उनके पिता राकेश रोशन ने घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म की कमान वह ऋतिक को सौंप रहे हैं। लंबे समय से फिल्म के निर्देशन को लेकर चर्चा चल रही थी। लगातार यह संशय बना हुआ था कि फिल्म का निर्देशन कौन करेगा? आदित्य चोपड़ा की अगुआई में यशराज फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण होगा।

राकेश रोशन ने की घोषणा

'कृष' फ्रैंचाइजी की अगली किस्त यानी 'कृष 4' पर बड़ा अपडेट देते हुए राकेश रोशन ने कहा, मैं कृष 4 के निर्देशन की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूं, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को शुरू से ही मेरे साथ जिया, महसूस किया और इसके बारे में सपने देखे हैं। ऋतिक के पास अगले दशकों तक दर्शकों के साथ कृष की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक साफ और बहुत ही महत्वाकांक्षी विजन है। मुझे यह देखकर बहुत गर्व हो रहा है कि वह एक ऐसी फिल्म के निर्देशक बन रहे, जो हमारे लिए एक परिवार की तरह है। राकेश रोशन ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक अभिनेता के रूप में लॉन्च किया था। आज फिर 25 साल बाद तुम्हें दो फिल्म निर्माताओं आदि चोपड़ा और मेरे द्वारा हमारी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म कृष 4 को आगे बढ़ाने के लिए एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया जा रहा है। इस नए अवतार में तुम्हें ढेर सारी सफलता की शुभकामनाएं और आशीर्वाद!

राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा ने मिलाया हाथ

इस सुपरहीरो फिल्म के लिए आदित्य चोपड़ा और राकेश रोशन साथ आए हैं। आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स राकेश रोशन के साथ मिलकर इसका निर्माण करेगी। काफी लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी की अगली किस्त का फैंस को इंतजार था। इस महत्वपूर्ण सूचना ने उनकी उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है।

इस भारतीय सुपरहीरो फ्रेंचाइजी की शुरुआत 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें ऋतिक रोशन ने मुख्य भूमिका अदा की थी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म थी। साल 2006 में इसकी अगली किस्त 'कृष' आई और साल 2013 में 'कृष 3।' अपने इस सफर के दौरान दर्शकों के दिल में इसने एक खास जगह बना ली।

फिल्म किंगडम में हुई कीर्ति सुरेश की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म किंगडम के लिए कमर कस चुके हैं। फिल्म का पहला लुक भी जारी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि फिल्म में विजय के साथ कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी।

कीर्ति सुरेश के साथ जमेगी विजय की जोड़ी

फिल्म किंगडम में विजय देवरकोंडा के साथ कीर्ति सुरेश रोमांस करती नजर आ सकती हैं। पहले निर्माताओं ने रुक्मिणी वसंत को लेने के बारे में विचार किया था, लेकिन बात कुछ जमी नहीं। इसलिए फिर निर्माताओं ने कीर्ति को फिल्म में लेने का मन बनाया और उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई। फिल्म की स्क्रिप्ट कीर्ति को बेहद पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हां कह दी।

कीर्ति का होगा खास अंदाज

फिल्म किंगडम में कीर्ति गोदावरी बोली बोलती नजर आएंगी। फिल्म किंगडम की कहानी स्थानीय राजनीति पर आधारित होगी और साथ ही इस फिल्म में आम लोगों से जुड़े कई पहलुओं को भी दिखाया जाएगा। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बनाएंगे। फिल्म की शूटिंग इस गर्मी से शुरू होने की उम्मीद है। एक्शन ड्रामा फिल्म किंगडम 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय की इस फिल्म का पहला लुक सामने आते ही फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विजय का वर्कफंट

विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म किंगडम के अलावा रवि किरण कोला की फिल्म राउडी जनार्दन में भी नजर आएंगे। इसके अलावा विजय राहुल सांकृत्यायन के साथ भी एक प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं।

लापता लेडीज में 'इंस्पेक्टर मनोहर' बनना चाहते थे आमिर खान

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन क्लिप में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई।

आलिया की सफलता से सारा को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी। सारा कहती हैं- जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गईं। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया। सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की स्काई फोर्स इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था। जल्द ही वो फिल्म मेट्रो इन दिनों में दिखेंगी।

निमरत कौर के अलावा दीपिका, प्रियंका और इन सितारों ने तय किया बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

मशहूर अभिनेत्री निमरत कौर ने बॉलीवुड की फिल्मों स्काई फोर्स, दसवीं और एयरलिफ्ट में बेहतरीन किरदार अदा किया है। उन्होंने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। निमरत ने हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में काम किया है। वह वेवार्ड पाइंस और फाउंडेशन में भी नजर आई। ऐसे में आज हम उन बॉलीवुड एक्ट्रेस के बारे में जानेंगे जो बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचीं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड को अंदाज, ऐतराज और किस्मत जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। अपने फिल्मी करियर को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने हॉलीवुड की बेवाच, ए किड लाइक जेक और द व्हाइट टाइगर जैसी फिल्मों में काम किया।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड को पद्मावत, जवान और पठान जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म एक्सएक्सएक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज और फास्ट एंड फ्यूरियस 7 में भी काम किया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने बॉलीवुड को गंगूबाई काठियावाड़ी, हाइवे और राजी जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2022 में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया है।

ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय देवदास, धूम और मोहब्बतें जैसी फिल्मों में नजर आईं। वह अभी भी बॉलीवुड फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म प्रोवोक्ड और द लास्ट लीजन में काम किया।

तकदीर अच्छी हुई तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी, राजनीति में एंट्री पर बोले सलमान

बॉलीवुड में लगभग साढ़े तीन दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुके सलमान खान का ईद पर सालों से प्रभुत्व रहा है। इस बार वह साउथ के जाने-माने डायरेक्टर एआर मुरुगादॉस के साथ सिकंदर लेकर आ रहे हैं। सलमान ने हाल ही खास बातचीत में अपनी इस फिल्म के अलावा परिवार, बॉक्स ऑफिस, जान से मारने की धमकियों, राजनीति, एज गैप जैसे कई मुद्दों पर बात की।

सलमान आपकी निजी जिंदगी हो या सोशल मीडिया आपका परिवार प्रेम हमेशा नजर आता है। वो पारिवारिक मूल्य और बॉन्डिंग कहां से आते हैं?

प्यार तो परिवार से आता है। पालन-पोषण से आता है। मॉम और डैड की जब शादी हुई थी, तो वओ दोनों ही अलग-अलग कल्चर और धर्म से थे। मगर मेरे नाना के लिए मुद्दा ये नहीं था कि मेरे डैड मुसलमान हैं, उनकी समस्या थी कि ये फिल्म इंडस्ट्री का आदमी है। मेरे नाना मेरे पिता से शादी के पांच साल बाद मिले थे, वो भी जब सोहेल पैदा हुआ। उस वक्त उन्होंने मेरे पिता को बहुत प्यार दिया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती ये हुई है कि उन्होंने पांच साल न मिलकर वक्त बर्बाद किया। एक बार जब मेरी मॉम झगड़कर मायके चली गई थीं, तब मेरे नाना ने कहा था कि अब तुम्हारी अर्थी वहीं से उठेगी। तुम इस तरह से घर छोड़कर यहां मायके मत आना। तुम यहां मिलने-जुलने आ सकती हो, मगर घर छोड़ कर नहीं। लड़ाई-झगड़े तो होते रहते हैं, तुम घर वापस जाओ। वो अच्छा आदमी है। पता नहीं मेरे पिता सलीम खान ने मेरे नाना पर क्या जादू चलाया था। परिवार से हमने बहुत कुछ सीखा और फिर दोस्तों से भी। जिनसे लगा कि ये बहलाने-फुसलाने के लिए आए हैं, उनसे हम दूर ही रहे हैं। हम जब 18-20 साल के हुए, तो हमारे पिता के दोस्त हमारे दोस्त बन गए। हमारे फ्रेंड्स हमारे फादर के फ्रेंड्स हो गए। हम भाइयों के दोस्तों का सर्कल भी ब्रदर्स जैसा ही है।

अगर फिल्मों की बात करूं, तो आप बॉक्स ऑफिस के अनप्रेडिक्टेबल मिजाज के बारे में क्या सोचते हैं। समझ में नहीं आ रहा कि क्या चलेगा, क्या नहीं?

अच्छी फिल्म होगी, तो चलेगी और अगर अच्छी नहीं हुई, तो नहीं चलेगी, मगर तकदीर बहुत अच्छी हुई, तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी।

आपने अनगिनत फिल्मों में काम किया है। आप मास सिनेमा को कैसे डिफाइन करते हैं?

देखिए, मास और क्लास सिनेमा का जो सेपरेशन था, वो तो एकदम से हिल गया है। आज आप मल्टीप्लेक्स में भी चले जाओ, तो सीटी-वीटी मारने का चलन वहां भी देखने मिलता है। मगर मैं हमेशा कहता हूं कि सिंगल थिएटर में जो ब्लैक में इतने सारे पैसे खर्च करके टिकट लेते हैं, उनको मल्टीप्लेक्स में जाकर ही फिल्म देख लेनी चाहिए। मगर कई बार पीवीआर और आइनॉक्स वाले भी गेटी-गैलेक्सी में फिल्में देखने जाते हैं। असल में वो उस मासी फीलिंग के लिए इन थिएटरों में जाते हैं।

सलमान धमकियां मिलना आपके लिए नई बात नहीं है, मगर उम्र के इस मुकाम पर आप बेखौफ हो गए हैं या बेचैन रहते हैं?

अल्लाह और भगवान है। जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी तो रहेगी, मगर कभी-कभी इतने सारे लोगों को साथ लेकर चलना होता है, वही प्रॉब्लम हो जाती है।

एटली के साथ आपकी फिल्म को लेकर काफी चर्चाएं हैं। हाल-फिलहाल उसका स्टेटस क्या है?

एटली के साथ वाली फिल्म पूर्वनियोजित तौर पर नहीं हो पाई है और इसका कारण मुझे फिल्म का ग्रैंड स्केल और भव्य बजट लग रहा है। इस तरह की फिल्म के लिए बहुत सारा एफर्ट्स और समय चाहिए, जो दो फिल्में करने जितना है। यही वजह है कि मैंने अपना समय दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को दिया।

आपकी फिल्म में एक डायलॉग है, सीएम, पीएम का तो पता नहीं, मगर एमएलए, एमपी तो बन जाऊंगा, तो क्या सलमान भविष्य में आप किसी बदलाव के तहत राजनीति में जाने की सोचते हैं?

इसके बाद एक और डायलॉग है फिल्म में, मुझे कोई इंटरेस्ट नहीं है, क्योंकि राजनीति मेरा फील्ड नहीं है। जब किसी को गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन नहीं आता, तो उसे इस क्षेत्र में घुसना नहीं चाहिए। वो हमको आता ही नहीं, वो हमारा काम ही नहीं है। हमको ये काम इतना बढ़िया आता है, तो हम यही करेंगे।

निर्देशक मुरुगादॉस एक्शन के लिए जाने जाते हैं, तो क्या वो जलवा इस फिल्म में देखने को मिलेगा?

यहां पर मामला थोड़ा अलग है। मेरा मानना है कि एक्शन में जब तक इमोशन जुड़ा हुआ न हो, बात बनती नहीं है। मुरुगादॉस की पिछली जो भी फिल्में थीं, आमिर की गजनी उसमें भी इमोशन बहुत तगड़ा था। अक्षय कुमार की हॉलिडे में भी इमोशन स्ट्रॉन्ग था और यहां पर आपको को ये देखने को मिलेगा। फिल्म का इमोशनल ग्राफ बहुत अच्छा है। मेसेज भी है और मनोरंजन भी।

फिल्म में आपकी हीरोइन रश्मिका मंदाना और आपकी उम्र के अंतर को लेकर काफी चर्चा चल रही है?

मैं जब भी नई लड़कियों के साथ काम करता हूं, मेरी कोशिश उन्हें एक बड़ा प्लैटफॉर्म देने की होती है, एक बड़ा स्टार बनाने की। मगर एज गैप का मुद्दा लाकर आप लोगों ने इनका बेड़ा गर्क कर दिया। मुझे अगर अनन्या पांडे और जहान्वी कपूर के साथ काम करना होगा, तो मुझे दस बार सोचना होगा। मगर दस बार सोच कर भी मैं करूंगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।